website : - www.loktantramirror.live

लोकतंत्र मिरर

पृष्ठ : 8 RNI Reg. No. MAHHIN/2017/74134 वर्ष : 8 अंक : 28 मई 2024 मूल्य : 10

'सिर्फ कुछ उपलब्धियों का ढिंढोरा पीटने का इरादा नहीं' : मोहनजी भागवत

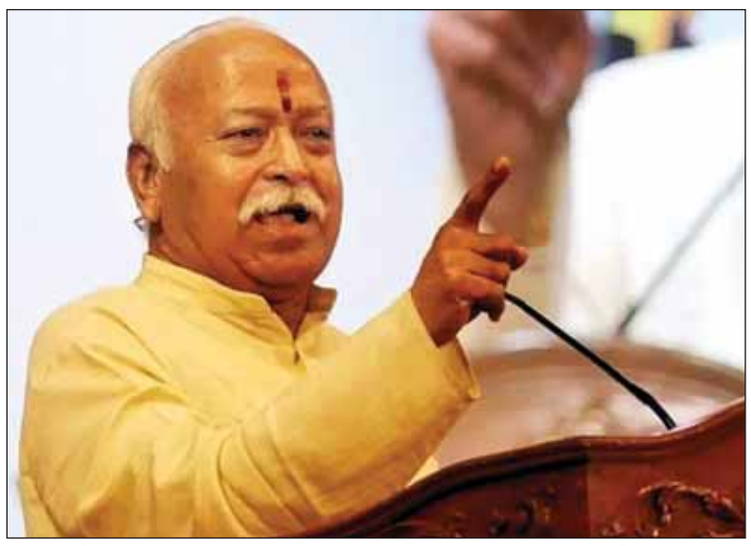

नागपुर : संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वर्ष २०२५ में अपना शताब्दी वर्ष नहीं मनाएगा। महज कुछ उपलब्धियों का ढिंढोरा पीटने का कोई इरादा नहीं है। यह बेहद चिंताजनक है कि आरएसएस को कुछ लक्ष्यों को हासिल करने में सौ वर्ष लग गए। हालांकि इस मंद गति के बदलाव का कारण दो हजार सालों के सामाजिक पतन से जूझना रहा है।

एक पुस्तक के विमोचन पर भागवत ने गुरुवार को कहा कि जब १९२५ में नागपुर में आरएसएस का गठन हुआ था, तब पदाधिकारियों को कडे. विरोध, संसाधनों की कमी और लोगों को जोडऩे में कठिनाई का सामना करना पडा था।

उन्होंने कहा कि किसी भी हालात में स्वयंसेवकों को अपना काम करते रहना चाहिए। संघ का शताब्दी वर्ष मनाने की कोई जरूरत नहीं है। संघ इसे संगठन का अहंकार बढाने के लिए नहीं कर रहा है। संघ किसी संगठन के १०० साल पूरे होने का जश्न मनाने और कुछ उपलब्धियों का ढिंढोरा पीटने नहीं आया है। संघ समाज को बदलना चाहता है और मानता है कि समाज की जीत का आंकलन धन सृजन से नहीं बल्कि धर्म से होना चाहिए। इस समाज की जीत अन्य समाज को सशक्त बनाएगी और अंतत जगत को लाभ पहुंचाएगी। संघ ऐसे लोगों को तैयार करना चाहता है जो इस तरह से समाज में सुधार लाने की कोशिश करें।

'कुछ बुनियादी गलतियों का इलाज जरूरी'

संघ के सरसंघचालक ने कहा कि विदेशियों ने हमारे लोगों को पट्टी पढा दी है। हमें यह भूलने की बुरी आदत है कि हम क्या हैं। हमारे लोगों में एक मनोवैज्ञानिक दबाव है क्योंकि हम पर सदियों तक कई शासकों ने राज किया। पिछले १०००-१५०० वर्षों में देश ने समय-समय पर विदेशी आक्रमणों का सफलतापूर्वक मुकाबला किया है, लेकिन अपनी ही गलतियों और गद्दारों के कारण देश बार-बार गुलामी के चक्र में फंसता गया। इस बीमारी से निपटने की जरूरत है, नहीं तो यह होता रहेगा। आक्रमणकारियों को एक स्थायी संदेश देने के लिए हमें अपनी कुछ बुनियादी गलतियों का इलाज करना होगा और यही (आरएसएस संस्थापक) डॉ. हेडगेवार ने किया था।

'वर्षों की गुलामी का दिमाग पर गहरा असर'

भागवत ने कहा कि देश में इस बारे में ज्ञान की कमी है कि हम कौन हैं। वर्षों की गुलामी ने दिमाग पर गहरा असर किया, जिसके कारण स्पष्ट रूप से बोलने और सोचने के जज्बे की कमी है। इसलिए हमें समाज को एक ऐसे सूत्र में पिरोने की जरूरत है जो हम सभी को एकजुट करे। हमें अपनी पहचान स्पष्ट रूप से जाननी चाहिए और दुनिया को भी बतानी चाहिए। वह पहचान हिंदू है और हमें गर्व से कहना चाहिए कि हम हिंदू हैं।

उन्होंने कहा, 'पहले स्वयंसेवकों को कडे. विरोध, संसाधनों की कमी और लोगों को जोडऩे में कठिनाई का सामना करना पडा। पर अब संगठन के लिए स्थिति अनुकूल है। हालात कैसे भी हों स्वयंसेवकों को अपना काम करते रहना चाहिए।'

'मतदान केंद्रों के बाहर नहीं हैं सुविधाएं' : आदित्य ठाकरे

मुंबई : पांचवें चरण की वोटिंग जारी है और दोपहर एक बजे तक देशभर में ३६.७३% फीसदी मतदान दर्ज किया गया है। एक बजे तक सबसे अधिक लद्दाख में ५२.०२ फीसदी वोट डाले गए। इस चरण में महाराष्ट्र में की भी १३ सीटों पर मतदान कराया जा रहा है, जिसमें मुंबई की भी छह सीटें शामिल हैं।

शिवसेना उद्धव गुट के नेता आदित्य ठाकरे ने मुंबई क्षेत्र में मतदान केंद्रों के बाहर सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अधिकतर मतदाताओं को केंद्र के बाहर सुविधाएं न मिलने से शिकायते हैं। उद्धव सरकार के दौरान राज्य में मंत्री रहे आदित्य ठाकरे ने कहा कि मतदान करने आए लोग भीषण गमी से परेशान थे, लेकिन मतदान केंद्रों के बाहर इससे बचने का कोई उपाय नहीं था। उनका कहना है कि मतदाताओं को कम से कम छाया में कतार में खडा किया जाना चाहिए था और गमी से बचने के लिए पंखे उपलब्ध कराए जाने चाहिए। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'बूथों के बाहर सुविधाओं के बारे में मतदाताओं की बहुत सारी शिकायतें ऽएउखडतएएझ कम से कम मतदाताओं की लाइनों को छाया/पंखों में रखने से मदद मिल सकती है। वे ज्यादा कुछ नहीं चाहते, बस बुनियादी चीजें चाहते हैं। कृपया इस पर गौर करें।'

चमोली: 'चार धाम यात्रा' के दौरान, चमोली जिले में बद्रीनाथ मंदिर में दर्शन के लिए आए हुए श्रद्धालु

ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मौत

नई दिल्ली : हेलिकॉप्टर कैश में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत हो गई है. रईसी के हेलिकॉप्टर में विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियन, पूर्वी अजरबैजान प्रांत के गवर्नर मालेक रहमती समेत ९ लोग सवार थे जिसमें से कोई जिंदा नहीं बचा है. खराब मौसम के बीच पहाडिय़ों में यह दुर्घटना रविवार को हुई लेकिन सोमवार को मलबा मिलने के बाद रईसी समेत हेलिकॉप्टर में सवार सभी लोगों की मौत की पुष्टि हुई है. ईरान ने अपने राष्ट्रपति और विदेश मंत्री की मौत पर जारी आधिकारिक बयान में संवेदना जताते हुए कहा है कि इससे ईरान की शासन व्यवस्था पर कोई असर नहीं होगा, यह पहले की तरह ही चलती रहेगी.

एक्सपर्ट्स का भी कहना है कि मध्य-पूर्व में चल रहे तनाव के बीच रईसी की मौत से ईरान की शासन व्यवस्था पर ज्यादा असर नहीं होगा क्योंकि ईरान के सभी बडे. फैसले इस्लामिक देश के धर्मगुरु सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई लेते हैं.

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई देश के सवीच्च धार्मिक नेता हैं जो देश से जुडे. सभी मामलों पर अंतिम फैसला देते हैं. ईरान का सुप्रीम लीडर ही राष्ट्र प्रमुख होता है और 'कमांडर इन चीफ' भी होता है. सुप्रीम लीडर ही ईरान में सबसे ज्यादा ताकतवर होता है.

८५ साल के खामेनेई १९८९ में अपने पिता और इस्लामिक रिपब्लिक ईरान के संस्थापक अयातुल्ला रुहोल्लाह खामेनेई की मृत्यु के बाद ईरान के सवीच्च नेता बने थे. उसके बाद से ही खामेनेई की ईरान की राजनीति और सेना पर मजबूत पकड. बनी हुई है और उन्होंने सत्ता के सामने आने वाली चुनौतियों को कुचलने के लिए कई बार हिंसा तक का सहारा लिया है.

दुनिया के सबसे ताकतवर शिया देश ईरान के सवीच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई ने अमेरिका, इजरायल समेत विदेश मामलों पर बेहद सख्त रुख अपनाया है. उनके नेतृत्व में मध्य-पूर्व में ईरान का प्रभाव काफी बढा है और यह अमेरिकी पाबंदियों के बावजूद क्षेत्र का मजबूत देश बनकर उभरा है.

कहा जाता है कि खामेनेई निजी तौर पर अमेरिका और इजरायल को पसंद नहीं करते और दोनों देशों के साथ ईरान की बढती दुश्मनी की ये एक बडी वजह है.

कैसे चुना जाता है ईरान का सुप्रीम लीडर

१९७९ की इस्लामिक कांति के बाद ईरान में सुप्रीम लीडर का पद बनाया गया था. केवल पुरुष ही ईरान के सुप्रीम लीडर बन सकते हैं. ईरान में लागू इस्लामिक कानून के मुताबिक, सुप्रीम लीडर बनने के लिए अयातुल्ला होना जरूरी है यानी ये पद शीर्ष स्तर के धर्मगुरु को ही दिया जा सकता है. लेकिन जब खामेनेई को सुप्रीम लीडर बनाया गया था, तब वे अयातुल्ला नहीं थे. इसलिए उन्हें सवीच्च नेता बनाने के लिए कानून में संशोधन में किया गया था.

ईरान के सुप्रीम लीडर को ८८ इस्लामिक जानकारों का एक समूह, जिसे असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स कहा जाता है, चुनता है. असेंबली के सदस्य हर आठ साल में ईरान की जनता की तरफ से चुने जाते हैं. हालांकि, उम्मीदवारों के नाम गार्जियन काउंसिल समिति तय करती है जिसके बाद जनता उनमें से ८८ इस्लामिक विशेषज्ञों को चुनती है.

इसमें गौर करने वाली बात ये है कि गार्जियन काउंसिल के सदस्यों का चुनाव सवीच्च नेता ही करते हैं. पिछले कई दशकों से खामेनेई ने गार्जियन काउंसिल के लिए इस्लामिक रूढ़िवादियों को ही चुना है जो उनके कहे अनुसार ही काम करते हैं.

रईसी के जाने से ईरान की शासन व्यवस्था पर क्या होगा असर?

एक्सपर्ट्स का कहना है कि इब्राहिम रईसी की मौत से ईरान की शासन व्यवस्था पर कोई असर नहीं होगा. यूनाइटेड अगेंस्ट न्यूक्लियर ईरान के पॉलिसी डायरेक्टर जैसन ब्रोडस्की कहते हैं, 'ईरान का राष्ट्रपति नीतियां लागू करवाने वाला होता है, न कि नीतियां बनाने वाला. इसलिए रईसी की मौत के बाद ईरान की नीतियां, उनके आधार में कोई बदलाव नहीं आएगा.'

रीचमैन यूनिवर्सिटी के ओरी गोल्डबर्ग ने द टाइम्स ऑफ इजरायल से बात करते हुए कहा, 'रईसी सवीच्च नेता के लिए काम करते थे. वो ईरान में अब तक के सबसे अलोकतांत्रिक ढंग से हुए चुनाव में चुने गए थे.'

(पृष्ठ २ पर)

रामकृष्ण मिशन के आश्रम में तोडत़ोड़

बदमाशों ने बंदूक की नोंक पर भिक्षुओं को धमकाया

कोलकाता : रामकृष्ण मिशन के एक अधिकारी ने बताया कि कुछ बदमाशों ने पश्चिम बंगाल के जलपाईगुडी जिले में स्थित हमारे आश्रम में तोडफ़ोड. की है। बदमाशों ने बंदूक की नोक पर हमारे भिक्षुओं और अन्य कर्मचारियों को जगह छोडऩे की धमकी दी है। इन सबके पीछे स्थानीय भू-माफिया का हाथ है।

गेट पर ताला भी लगाया

मिशन के एक अधिकारी ने बताया कि तडक़े तीन बजे करीब १० हथियारबंद युवक हमारे आश्रम में घुस गए। वे सीधा पहली मंजिल पर गए। उन्होंने बंदूक की नोक पर हमारे वरिष्ठ भिक्षुओं सहित वहां मौजूद आठ लोगों को परिसर छोडऩे की धमकी दी। उन्होंने परिसर में तोडफ़ोड. की। उन्होंने हमारे सीसीटीवी कैमरों को भी तोड. दिया। वहां से निकलते समय उन्होंने गेट पर ताला भी लगा दिया। पुलिस को इसकी सूचना दी गई तो उन्होंने ताला तोडक़र फंसे लोगों को बाहर निकाला।

उन्होंने आगे बताया कि यह संपत्ति विवाद का मामला है। हमारे भिक्षुओं ने पहले ही भक्तिनगर पुलिस थाने में स्थानीय दबंग और उसके सहयोगियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और उन्हें सुरक्षा देने का वादा किया है। हमें पुलिस और प्रशासन पर पूरा भरोसा है।

पीएम मोदी ने की हमले की निंदा

जलपाईगुडी में रामकृष्ण मिशन आश्रम पर हुए हमले की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निंदा की। उन्होंने टीएमसी शासन पर वोट बैंक को खुश करने का आरोप लगाया। झाडग्राम में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी ने बंगाल में हिंदुओं की आस्था के साथ खिलवाड. करने की जिम्मेदारी ली है। यह शर्मनाक है। पीएम ने आरोप लगाया कि सीएम ममता बनजी रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम के भिक्षुओं को धमका रही हैं। भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि यह तालिबानी शासन से कम नहीं है।

सीएम ने आरोपों को किया खारिज

हालांकि, सीएम ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। बांकुरा के ओंदा में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए सोमवार को बनजी ने कहा कि मैं रामकृष्ण मिशन के खिलाफ नहीं हूं। मुझे किसी संस्था के खिलाफ क्यों रहूंगी। मैं क्यों किसी का अपमान करूंगी। मुख्यमंत्री ने एक संगठन के रूप में भारत सेवाश्रम संघ की भी प्रशंसा की और कहा कि यह लोगों के लिए काम करता है।

चुनाव में भाजपा की मदद करने के आरोपों को खारिज किया

चुनाव में भाजपा की मदद करने के आरोप में एक दिन पहले बेलूर में रामकृष्ण मिशन के मुख्यालय के एक वरिष्ठ भिक्षु ने कहा था कि हम आरोपों से दुखी हैं। हम किसी भी विवाद में फंसना नहीं चाहते। सभी क्षेत्रों से हजारों आगंतुक हमारे परिसर में प्रार्थना करने आते हैं। हम लोगों के बीच धर्म और अध्यात्म के मूल्यों को फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। न तो मिशन और न ही हमारे किसी भिक्षु ने किसी विशेष पार्टी को वोट करने के लिए कहा है। बता दें, भाजपा की मदद करने का आरोप ममता बनजी ने ही लगया था।

कांग्रेस के आलमगीर का आलम ऐसा कि नौकर के घर भी करोड़ रुपया ईडी करता है जप्त

नई दिल्ली : झारखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल के नौकर के घर से ईडी ने अपने छापेमारी के दौरान ३३ करोड़ रुपये बरामद सोमवार को अपनी कार्रवाई में जप्त करती है और जब यह समाचार पूरी राज्य नहीं देश में फैलती है तो जनता अचंभित रह जाती है नेताओं के घर से तो करोड़ों रुपया जप्त होते हैं पर अब कांग्रेस नेताओं के नौकरों के घर भी जिसकी सैलरी है १५००० के यहां भी करोड़ों रुपया पाया जा रहा है श्र इसको लेकर बीजेपी कांग्रेस नेता एवं राज्य के कैबिनेट मंत्री आलमगीर आलम पर हमलावर हैं।

आलमगीर आलम का बयान- हमारे संवाददाता ने जब आलमगीर आलम से जब इस मैटर पर बयान लिया तो उन्होंने कहा कि संजीव लाल एक सरकारी मुलाजिम है, वह हमारा पीएस है। ईडी में जो चर्चा चल रही है, कुछ निष्कर्ष आएगा तो हम बताएंगे। अभी जांच चल रही है। संजीव लाल इससे पहले २ मंत्री के पीए रह चुके हैं। अभी वह मेरा पीएस है। हमलोग पीएस अनुभवी लोगों को रखते हैं। ईडी की जांच पूरी होने से पहले छापेमारी पर टिप्पणी करना सही नहीं है।

बीजेपी ने साधा निशाना

झारखंड के मंत्री के पीए संजीव लाल और उनके घरेलू नौकर के यहां सोमवार सुबह ईडी की छापेमारी में करीब २५ करोड़ कैश बरामद किया गया। इस खबर ने सियासत और ब्यूरोक्रेसी गलियारों में फिर एक बार हलचल मचा दी। बीजेपी ने इसे 'इंडिया' गठबंधन के भ्रष्टाचार का मुद्दा बना दिया है। छापेमारी में बरामद नोटों के ढेर का वीडियो दो घंटे के भीतर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है।

झारखंड के बीजेपी अध्यक्ष और पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने एक्स अकाउंट पर वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, दो दिन पहले प्रधानमंत्री झामुमो-कांग्रेस के जिस 'लूट मॉडल' की बात कर रहे थे, उसे इन रुपयों ने सत्यापित कर दिया है।

१५ हजार रुपये है संजीव लाल के नौकर की सैलरी

खास बात यह है कि जिस संजीव लाल के नौकर के आवास से ईडी ने नोटो का जखीरा बरामद किया है, उसकी सैलरी महज १५ हजार रुपये है, ऐसे में सियासी गलियारों में यह सवाल उठना लाजमी है कि आखिर १५ हजार रुपये महीने की पगार पाने वाले शख्स के घर पैसों का यह पहाड़ कहां से आया? निसंदेह, ईडी के लिए यह विवेचना का विषय है।

नोटों के जखीरे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसे शेयर करने वाले कई लोग यही सवाल उठा रहे हैं कि जब नौकर के यहां २५-३० करोड़ के नोट मिल रहे हैं तो उसके मालिक नोटों के कितने बड़े बड़े पहाड़ पर बैठे होंगे?

ज्यादा दिन नहीं हुए, जब झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के ठिकानों पर कई दिनों तक छापेमारी चली तो आयकर विभाग ने तीन सौ करोड़ से भी ज्यादा कैश बरामद किया था। इस छापेमारी में मिले नोटों के पहाड़ की तस्वीरें पूरे देश में वायरल हुई थीं। इस मामले को लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व तक पर सवाल उठे थे, लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब नहीं आया। हैरत तो इस बात पर हुई कि धीरज साहू के खिलाफ कांग्रेस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

नादिया जिले में इस वर्ष संतोषजनक धान की ड्रू सल हुई. रविवार, १९ मई, २०२४ को नादिया जिले में एक खेत में धान की कटाई करते मजदूर।

लग्जरी कार हादसे मामले को लेकर एक्शन में पुणे पुलिस

दुर्घटना के समय नशे में था बिल्डर का बेटा

आरोपी के लिए कोर्ट से करेगी ये मांग

पुणे : पुणे में रविवार को एक किशोर के लग्जरी कार से दो लोगों की मौत और बाद में आरोपित को जमानत मिलने के खिलाफ पुलिस सत्र न्यायालय जाएगी। पुलिस ने सोमवार को कहा कि वह १७ वर्षीय किशोर के खिलाफ वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने के लिए कोर्ट से मांग करेगी।

गौरतलब है कि आरोपित किशोर ने अपनी तेज रफ्तार पोर्शे कार से कल्याणी नगर इलाके में दो लोगों को टक्कर मार दी थी और जिसके चलते उनकी मौके पर ही मौत हो गयी थी। किशोर न्याय बोर्ड द्वारा उसी दिन किशोर को सड़क दुर्घटनाओं पर एक निबंध लिखने और अन्य शर्तों के साथ जमानत दे दी थी। पुलिस ने सोमवार को दावा किया कि एक रियल एस्टेट डेवलपर का बेटा दुर्घटना के समय नशे में था। उसके खिलाफ आइपीसी की धारा ३०४ (गैर इरादतन हत्या) और मोटर वाहन अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दुर्घटना के समय नशे में था किशोर

पुणे के पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने कहा कि रविवार को ही हमने अदालत (बोर्ड) के समक्ष एक आवेदन दायर किया था, जिसमें किशोर पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने और उसे संप्रेक्षण गृह में भेजने की अनुमति मांगी गई थी क्योंकि अपराध जघन्य है, लेकिन याचिका को खारिज कर दिया गया था। हम अब उसी याचिका के साथ सत्र अदालत का दरवाजा खटखटाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उसकी जांच रिपोर्ट अभी तक प्राप्त नहीं हुई है, लेकिन प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दुर्घटना के समय किशोर नशे में था।

हम इस मामले में विशेष वकील करेंगे नियुक्त

आयुक्त कुमार ने कहा कि बार के सीसीटीवी फुटेज से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि किशोर शराब पी रहा था। इसमें कोई संदेह नहीं है कि किशोर शराब पीने के बाद कार चला रहा था। हम इन सभी तथ्यों को अदालत में पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि हमने उसके पिता के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के तहत और एक कम उम्र के व्यक्ति को शराब परोसने के लिए बार के मालिकों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। हमने इन मामलों की जांच अपराध शाखा को स्थानांतरित कर दी है। उन्होंने कहा कि मामले को एसीपी स्तर के अधिकारी को स्थानांतरित कर दिया गया है। हम इस मामले में एक विशेष वकील नियुक्त करेंगे।

चीनी सीमा के पास १४५०० फुट की ऊंचाई पर भारत ने स्थापित किया टैंक मरम्मत केंद्र

यह अपने आप में रिकॉर्ड

नई दिल्ली : भारतीय सेना ने दुनिया के सबसे ऊंचे युद्ध क्षेत्र में दो बख्तरबंद टैंक मरम्मत सुविधाएं स्थापित की हैं। यह अपने आप में एक तरह का रिकॉर्ड है। भारतीय सेना ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर ५०० से अधिक टैंकों और पैदल सेना के लडाकू वाहनों को तैनात किया हुआ है।

भारतीय सेना ने चीनी सीमा के पास न्योमा में और डीबीओ सेक्टर में १४,५०० फीट से अधिक की ऊंचाई पर दो बख्तरबंद वाहन रखरखाव और मरम्मत सुविधाएं स्थापित की है। ये इलाका दुनिया में टैंक और सेना के लडाकू वाहनों के लिए सबसे ऊंचा युद्धक्षेत्र है। अप्रैल-मई में चीन सैनिकों की हिमाकत के चलते उत्पन्न गतिरोध के बाद पूर्वी लद्दाख में बडी संख्या में टैंक और बीएमपी लडाकू वाहनों के साथ-साथ ब्रिक रिएक्शन फाइटिंग व्हीकल जैसे भारतीय निर्मित बख्तरबंद वाहनों को तैनात किया गया।

सेना के अधिकारियों ने बताया कि टैंकों और लडाकू वाहनों को इन अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात किया गया है। यहां रखरखाव और मरम्मत के लिए इन वाहनों को वापस ले जाना बहुत मुश्किल काम है। बख्तरबंद वाहनों के संचालन को बनाए रखने के लिए हमने न्योमा और डीबीओ सेक्टर में डीएस-डीबीओ रोड पर केएम-१४८ के पास मध्यम रखरखाव (रीसेट) सुविधाएं स्थापित की हैं।

ये दो मुख्य क्षेत्र हैं जहां पूर्वी लद्दाख सेक्टर में टैंक और आईसीवी संचालन पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मौत

(पृष्ठ १ से)

ईरान ने अपने राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के मरने पर संवेदना जताते हुए एक बयान जारी कर कहा है कि इससे ईरान की शासन व्यवस्था पर कोई असर नहीं पडेगा. हालांकि, इब्राहिम रईसी को सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई के उत्तराधिकारी के दावेदार के रूप में भी देखा जा रहा था. इसके अलावा, सुप्रीम लीडर खामेनेई के बेटे मुजतबा का नाम भी उनके उत्तराधिकारियों के दावेदारों की लिस्ट में आता रहा है.

सुप्रीम लीडर खामेनेई ने पांच दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है. साथ ही उप राष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर को अंतरिम राष्ट्रपति नियुक्त किया गया है. ईरान की आधिकारिक न्यूज एजेंसी खठछअ के मुताबिक, खामेनेई ने एक बयान में कहा, 'मोखबर अब कार्यकारिणी की देखरेख करेंगे और वो विधायिका और न्यायपालिका के साथ मिलकर अधिक से अधिक ५० दिनों के अंदर नया राष्ट्रपति चुनने में मदद करने के लिए बाध्य होंगे.' मोखबर को भी खामेनेई का वफादार माना जाता है. एक्सपर्ट्स का कहना है कि रईसी की अचानक मौत के बाद देश का राष्ट्रपति चुनना खामेनेई के लिए एक बडी परीक्षा है. ओरी गोल्डबर्ग कहते हैं, 'उन्हें यह दिखाना होगा कि वो नए बदलाव से देश को ही नहीं, बल्कि नेतृत्व को भी आगे बढा सकते हैं.'

रईसी की मौत से ईरान की व्यापक विदेश नीति भले ही नहीं बदलेगी, लेकिन इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच इजरायल के खिलाफ कई मोर्चों पर चल रही लडाई से उसका ध्यान जरूर कम हो सकता है.

अमेरिका के ज्यूइश इंस्टीट्यूट फॉर नेशनल सिक्योरिटी के सीईओ माइकल माकोवस्की कहते हैं, 'ईरान अब थोडा और अधिक खुद में व्यस्त हो सकता है, अगले राष्ट्रपति को चुनने के लिए वो अंदरूनी राजनीति में फोकस रख सकता है.'

मतदाता १३ फोटोयुक्त दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज दिखाकर कर सकेंगे मतदान

भोपाल : तीसरे चरण में ९ संसदीय क्षेत्रों में एक करोड़ ७७ लाख ५२ हजार ५८३ मतदाता मतदान करेंगे। सभी मतदाताओं को क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची वितरित की गई है। क्यूआर कोड युक्त मतदाता सूचना पर्ची से मतदाता अपने मतदान केन्द्र का नाम, पता, क्रमांक, निर्वाचक नामावली में मतदाता क्रमांक राज्य और जिले का हेल्पलाइन नम्बर जैसी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कर सकेंगे।

अनुमान राजन ने बताया कि यदि किसी मतदाता के पास मतदाता सूचना पर्ची नहीं है और उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है, तो १३ फोटोयुक्त वैकल्पिक दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज दिखाकर मतदाता अपना मतदान कर सकेंगे।

यह हैं १३ वैकल्पिक दस्तावेज

फोटोयुक्त वोटर आईडी कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड, दिव्यांग यूनिक आईडी कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मनरेगा जॉब कार्ड, पेंशन दस्तावेज (फोटो सहित), पासपोर्ट, पासबुक (फोटो सहित बैंक/डाकघर द्वारा जारी), फोटोयुक्त सर्विस पहचान पत्र (केन्द्र/राज्य सरकार/सार्वजनिक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा जारी), सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्यों को जारी आधिकारिक पहचान पत्र, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड (श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी) में से कोई भी एक दस्तावेज दिखाकर मतदान कर सकते है। उन्होंने सभी मतदाताओं से उत्साह के साथ मतदान जरूर करने का आग्रह किया है।

दिव्यांगता, मतदान कराने में बाधा नहीं

लोकसभा निर्वाचन-२०२४ के तीसरे चरण में विदिशा लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत देवास जिले की विधानसभा खातेगांव के मौला में स्थित मतदान केन्द्र में दिव्यांग मतदानकर्मी विमल गोस्वामी की मतदान कराने में ड्यूटी लगाई गई है। दोनों पैरों से दिव्यांग होने के बाद भी विमल गोस्वामी बड़े उत्साह के साथ मतदान कराने के लिये मतदान दल के साथ सोमवार को रवाना हुए। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता, मतदान कराने में बाधा नहीं है। विमल गोस्वामी ने कहा कि वे देखना चाहते हैं कि मतदान प्रक्रिया कैसी होती है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर दिव्यांग मतदान कर्मी अपनी दिव्यांगता का हवाला देकर अपनी मतदान ड्यूटी कैंसिल कराने का प्रयास करते हैं, परंतु वे मतदान दल के साथ अपने कर्तव्य पर जाते हुए बेहद खुश हैं।

आरईसी को गिफ्ट सिटी में सहायक कंपनी के लिए मंजूरी

नई दिल्ली : विद्युत मंत्रालय के अधीन महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसयू) और अग्रणी एनबीएफसी- आरईसी लिमिटेड को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से गुजरात के गांधीनगर स्थित अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी)- गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक सिटी (गिफ्ट) सिटी में पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी स्थापित करने के लिए 'अनापत्ति प्रमाणपत्र' (दिनांक ३ मई, २०२४) प्राप्त हुआ है।

भारत में वित्तीय सेवाओं के उभरते केंद्र-गिफ्ट में परिचालन का विस्तार करने का निर्णय उस समय लिया गया, जब आरईसी अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला रही है और विकास के नए क्षेत्रों की तलाश कर रही है। यह प्रस्तावित सहायक कंपनी गिफ्ट के अधीन एक वित्तीय कंपनी के रूप में ऋण, निवेश और अन्य वित्तीय सेवाओं सहित कई वित्तीय गतिविधियों में शामिल होगी।

इस अवसर पर आरईसी लिमिटेड के सीएमडी श्री विवेक कुमार देवांगन ने कहा, गिफ्ट सिटी मंच विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के साथ अंतर्राष्ट्रीय ऋण गतिविधियों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। हमें विश्वास है कि आरईसी वैश्विक बाजार में अपने लिए जगह बनाने के लिए इन लाभों का उपयोग करेगा। गिफ्ट सिटी स्थित यह इकाई न केवल आरईसी के लिए नए व्यावसायिक अवसर प्रस्तुत करेगी बल्कि, देश के ऊर्जा क्षेत्र के विकास में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देगी। हम वैश्विक मंच पर अपनी मौजूदगी का विस्तार करते हुए भारत के बिजली और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के आरईसी के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए इस रणनीतिक पहल का लाभ उठाने के लिए तत्पर हैं।

आरईसी अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला रही है और विकास के नए क्षेत्रों की तलाश कर रही है। यह प्रस्तावित सहायक कंपनी गिफ्ट के अधीन एक वित्तीय कंपनी के रूप में ऋण, निवेश और अन्य वित्तीय सेवाओं सहित कई वित्तीय गतिविधियों में शामिल होगी।

भारत के चुनावों को देखने के लिए आया वैश्विक प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली : पारदर्शिता की संस्कृति को बढ़ावा देने और लोकतांत्रिक देशों के बीच चुनावी कार्य प्रणालियों के उच्च मानकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की परंपरा को ध्यान में रखते हुए, अंतर्राष्ट्रीय चुनाव आगंतुक कार्यक्रम (आईईवीपी) के अंतर्गत २३ देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले ७५ प्रतिनिधि भारतीय आम चुनावों को देखने के लिए भारत में हैं। इस कार्यक्रम का उद्घाटन आज नई दिल्ली में सीईसी श्री राजीव कुमार और ईसी श्री ज्ञानेश कुमार और श्री सुखबीर सिंह संधू की उपस्थिति में किया गया।

मुख्य चुनाव आयुक्त श्री राजीव कुमार ने प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय चुनावी क्षेत्र का योगदान और भारतीय चुनाव आयोग द्वारा किया गया कार्य विश्व लोकतांत्रिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण हिस्सा रखता है। प्रक्रिया और क्षमता के संदर्भ में, जिसे वैध रूप से 'लोकतांत्रिक अधिशेष' कहा जा सकता है, दुनिया भर में लोकतांत्रिक स्थानों के संकुचन या गिरावट की बढ़ती चिंताओं में बहुत महत्वपूर्ण है।

श्री कुमार ने आगे कहा कि भारतीय चुनाव क्षेत्र अद्वितीय है, क्योंकि न तो चुनावी पंजीकरण अनिवार्य है और न ही मतदान अनिवार्य है। इसलिए, चुनाव आयोग के लिए यह आवश्यक है कि वह लोगों को स्वेच्छा से मतदाता सूची का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करने और फिर एक व्यवस्थित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से, उन्हें सहमति के अधिकार का प्रयोग करने के लिए मनाने के लिए पूरे विश्वास के साथ काम करे। उन्होंने कहा, यह कहना स्वयंसिद्ध होगा कि हम जो प्रक्रिया अपनाते हैं उसकी विश्वसनीयता चुनावों में भारी मतदान और मतदाता-जनसंख्या अनुपात के संदर्भ में मतदाता सूची की लगभग संतृप्ति के माध्यम से मान्य होती है।

भारत में चुनावी प्रक्रिया के पैमाने पर टिप्पणी करते हुए, उन्होंने कहा कि देश भर में फैले १ मिलियन से अधिक मतदान केंद्रों पर १५ मिलियन से अधिक मतदान कर्मियों द्वारा ९७० मिलियन मतदाताओं का स्वागत किया जाएगा। श्री कुमार ने कहा कि देश के मतदाताओं की विविधता को मतदान केंद्रों पर आने वाले प्रतिनिधियों द्वारा अपनी पूर्ण अभिव्यक्ति में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत त्योहारों का देश है और उन्होंने प्रतिनिधियों को लोकतंत्र के त्योहार का प्रत्यक्ष अनुभव लेने के लिए आमंत्रित किया।

आयोजन से इतर, आयोग ने कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और नेपाल के मुख्य चुनाव आयुक्तों और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी की। इससे पहले, दिन में प्रतिनिधियों को ईवीएम-वीवीपैट, आईटी पहल, मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका सहित भारतीय आम चुनाव २०२४ के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी गई। ब्रीफिंग सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त श्री धर्मेंद्र शर्मा ने की जहां उप चुनाव आयुक्त श्री आर.के. गुप्ता द्वारा चुनावों का अवलोकन किया गया। इसके बाद वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त श्री नितेश कुमार द्वारा ईवीएम-वीवीपीएटी पर एक प्रस्तुति दी गई। सुश्री नीता वर्मा द्वारा ईसीआई की आईटी पहल पर एक प्रस्तुति दी गई। महानिदेशक (आईटी) और मीडिया एवं सोशल मीडिया के संयुक्त निदेशक (मीडिया) श्री अनुज चांडक सत्र का हिस्सा थे।

प्रतिनिधि विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव और संबंधित तैयारियों का निरीक्षण करने के लिए छह राज्यों-महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश का दौरा करने के लिए समूहों में विभाजित होंगे। कार्यक्रम ९ मई, २०२४ को समाप्त होगा। कार्यक्रम विदेशी ईएमबी प्रतिनिधियों को भारत की चुनावी प्रणाली की बारीकियों के साथ-साथ भारतीय चुनाव में सर्वोत्तम प्रथाओं से परिचित कराएगा। इस वर्ष, मौजूदा लोकसभा चुनाव २०२४ के दायरे और पैमाने के अनुरूप, २३ देशों के विभिन्न चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) और संगठनों - भूटान, मंगोलिया, ऑस्ट्रेलिया, मेडागास्कर, फिजी, किर्गिज़ गणराज्य, रूस, मोल्दोवा, ट्यूनीशिया, सेशेल्स, कंबोडिया, नेपाल, फिलीपींस, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, बांग्लादेश, कजाकिस्तान, जॉर्जिया, चिली, उज्बेकिस्तान, मालदीव, पापुआ न्यू गिनी और नामीबिया का प्रतिनिधित्व करने वाला अब तक का सबसे बड़ा प्रतिनिधिमंडल है। इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स (आईएफईएस) के सदस्य और भूटान और इज़राइल की मीडिया टीमें भी भाग ले रही हैं।

भूजल पुनर्भरण और मानवी सहयोग

भारत के शायद चुनिंदा स्थल होंगे, जो चिलचिलाती गर्मी से अछूते है। गर्मियां फिर से आई है, चुनावी सरगर्मी को बढा रही है। हालाँकि, हाल के वर्षों में, गर्मी की लहरों की तीव्रता और बढ़ रही है, जिससे मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियाँ पैदा हो रही हैं। उच्च तापमान का निरंतर आक्रमण न केवल लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, बल्कि वन्य जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र को भी प्रभावित करता है। हिट वेव अर्थात गर्मी की लहरों के परिणाम महज असुविधा से कहीं आगे तक जाते हैं। उच्च तापमान का सार्वजनिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है, जिससे हीटस्ट्रोक, निर्जलीकरण और गर्मी से थकावट जैसी गर्मी से संबंधित बीमारियाँ हो सकती हैं। कई बार तो जान पर बन आती है। बुजुर्गों, बच्चों और पहले से मौजूद स्वास्थ्य समस्याओं वाले व्यक्तियों सहित कमजोर आबादी विशेष रूप से जोखिम में होती है। इसके अलावा, गर्मी की लहरें वायु प्रदूषण के स्तर को बढ़ाती हैं, जिससे श्वसन स्वास्थ्य पर और अधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। मानव स्वास्थ्य से परे, गर्मी की लहरें पारिस्थितिक तंत्र को बाधित करती हैं, जिससे वन्यजीवों को परेशानी होती है और कृषि को नुकसान होता है। इस खतरे से निपटने के लिए व्यक्तिगत और सरकारी दोनों स्तरों पर ठोस प्रयासों की आवश्यकता है। व्यापक वृक्षारोपण के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में हरित आवरण बढ़ाने से शहरी ताप के प्रभाव को कम करने में मदद मिल सकती है। पेड़ छाया प्रदान करते हैं, सतह का तापमान कम करते हैं और प्रदूषकों को अवशोषित करके वायु की गुणवत्ता बढ़ाते हैं। सतत् जल प्रबंधन को बढ़ावा देना भी एक उपाय हो सकता है। वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण जैसी प्रथाओं को प्रोत्साहित करने से घटते जलभृतों को फिर से भरने और मिट्टी की नमी बनाए रखने में मदद मिल सकती है, जिससे तापमान में कमी आएगी और गर्मी से संबंधित सूखे का खतरा कम होगा। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने और ऊर्जा-कुशल उपकरणों का इस्तेमाल करने जैसे ऊर्जा-बचत उपायों को लागू करने से ऊर्जा-गहन शीतलन प्रणालियों की मांग कम हो सकती है, जिससे बिजली ग्रिड पर तनाव कम हो सकता है। सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने और समय पर हीट वेव चेतावनियाँ प्रदान करने से व्यक्तियों को निवारक उपाय करने के लिए सशक्त बनाया जा सकता है, जैसे कि हाइड्रेटेड रहना, छाया में रहना और चरम गर्मी के घंटों के दौरान बाहरी गतिविधियों से बचना। इसके अतिरिक्त, ठंडे शेल्टर्स और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने से अत्यधिक गर्मी के स्वास्थ्य प्रभावों को कम किया जा सकता है। भारत में गर्मी की लहरों के बढ़ते खतरे को हैंडल करने में विफलता के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। लगातार अत्यधिक गर्मी में रहने से सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा पैदा होता है, सामाजिक-आर्थिक असमानताएं बढ़ती हैं और सतत विकास की दिशा में प्रयास कमजोर होते हैं। इसके अलावा, अनियंत्रित गर्मी की लहरें पारिस्थितिकी तंत्र के क्षरण, जैव विविधता की हानि और कृषि में गिरावट सहित व्यापक पर्यावरणीय प्रभावों को ट्रिगर कर सकती हैं, जिसका खाद्य सुरक्षा और आजीविका पर गहरा प्रभाव पड़ता है। शहरी नियोजन, जल प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण, सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप और पारिस्थितिक बहाली को एकीकृत करने वाले बहुआयामी दृष्टिकोण को अपनाकर, हम गर्मी की लहरों को प्रभाव कम कर सकते है। इसके लिए सरकारों, समुदायों, नागरिक समाज संगठनों और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग सर्वोपरि है।

क्या एनडीए सरकार को उनके कामों के लिए एक और मौका मिलना चाहिए?

इस नवीन गठबंधन की सरकार बनती है तो उसका प्रधानमंत्री कौन होगा? इस गठबंधन की कार्यशैली कैसी होगी? देश के दीन, दुःखी, गरीब, वंचित, शोषित तथा आरक्षित वर्ग के लिए नीतियां क्या होंगी?, विदेश नीति कैसी होगी?, विकास के बारे में दृष्टिकोण कैसा होगा?, नक्सलवाद तथा आतंकवाद के खिलाफ रणनीति क्या होगी? आर्थिक नीति कैसी होगी? राष्ट्रवाद, अलगाववाद, अल्पसंख्यक, आरक्षण आदि के बारे में क्या रुख रहेगा?, देश की आतंरिक समस्याओं यथा प्रदूषण, बेरोजगारी, स्वास्थ्य, शिक्षा, महंगाई, मूलभूत सुविधाओं की आपूर्ति पर क्या सोच रहने वाला है? सरकार की प्राथमिकताएं क्या होंगी ? आदि के बारे में स्पष्ट रूप से अभी कहना कठिन है। यद्यपि आईएनडीआईए के सहयोगी पार्टियों के अलग अलग घोषणा पत्र से कुछ अनुमान लगाया जा सकता है। उसमें कितनी घोषणाएं धरातल पर उतरेंगी कहना मुश्किल है। वहीं दूसरी ओर एनडीए सरकार पिछले दस वर्षों से काम कर रही है।

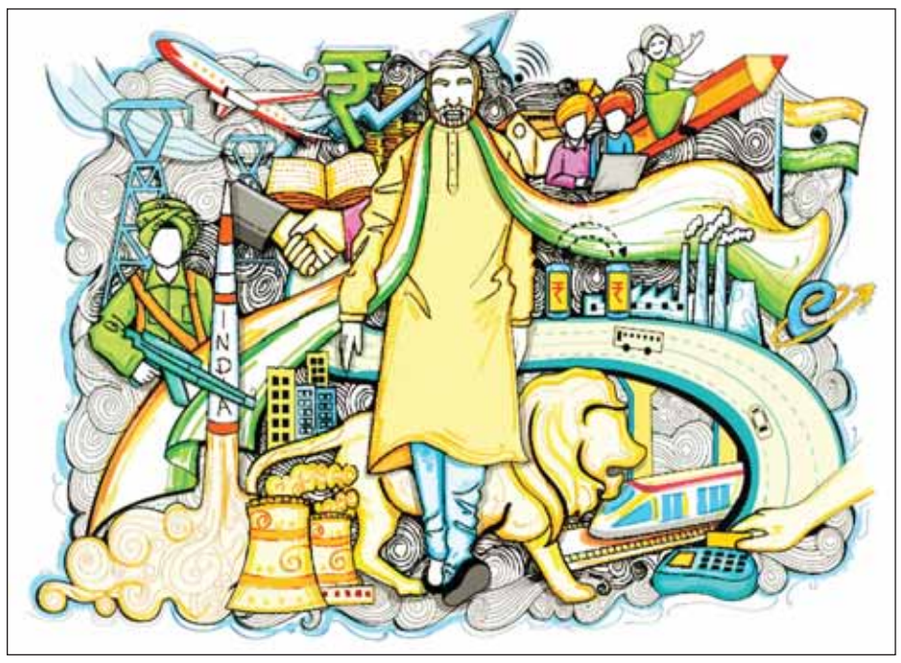

हमारे देश में पिछले दस वर्षों से एनडीए सरकार है, जिसका दूसरा कार्यकाल समाप्त होने को है। अब हमें तय करना है कि आगामी पांच वर्षों के लिए किस गठबंधन की सरकार को चुनें? लोकसभा निर्वाचन प्रक्रिया जारी है। दो चरणों का मतदान हो चुका है, पांच चरणों में मतदान होना अभी शेष है।

निर्वाचन में प्रमुख रूप से जहां एक ओर एनडीए गठबंधन है तो दूसरी तरफ आईएनडीआईए गठबंधन है, जो पहली बार एकजुट हुआ है, सत्तारूढ़ गठबंधन को मात देने की नीयत से बनाया गया है। यह नवीन गठबंधन लोकसभा में कितना सफल होगा यह चुनाव के नतीजों से ही पता चल सकेगा।

आज जनता के समक्ष बड़ी असमंजस की स्थिति है - यदि इस नवीन गठबंधन की सरकार बनती है तो उसका प्रधानमंत्री कौन होगा? इस गठबंधन की कार्यशैली कैसी होगी? देश के दीन, दुःखी, गरीब, वंचित, शोषित तथा आरक्षित वर्ग के लिए नीतियां क्या होंगी?, विदेश नीति कैसी होगी?, विकास के बारे में दृष्टिकोण कैसा होगा?, नक्सलवाद तथा आतंकवाद के खिलाफ रणनीति क्या होगी? आर्थिक नीति कैसी होगी? राष्ट्रवाद, अलगाववाद, अल्पसंख्यक, आरक्षण आदि के बारे में क्या रुख रहेगा?, देश की आतंरिक समस्याओं यथा प्रदूषण, बेरोजगारी, स्वास्थ्य, शिक्षा, महंगाई, मूलभूत सुविधाओं की आपूर्ति पर क्या सोच रहने वाला है? सरकार की प्राथमिकताएं क्या होंगी ? आदि के बारे में स्पष्ट रूप से अभी कहना कठिन है। यद्यपि आईएनडीआईए के सहयोगी पार्टियों के अलग अलग घोषणा पत्र से कुछ अनुमान लगाया जा सकता है। उसमें कितनी घोषणाएं धरातल पर उतरेंगी कहना मुश्किल है। वहीं दूसरी ओर एनडीए सरकार पिछले दस वर्षों से काम कर रही है।

उसकी नीतियों जैसे सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, एक राष्ट्र, एक विधान, एक निशान के लिए कार्य करते हुए संविधान से धारा ३७० और २६ ए को हटाना, तीन तलाक़ को समाप्त करना, यूनिफॉर्म सिविल कोड, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर, राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर, नागरिक संशोधन कानून के प्रति संकल्पबद्ध रहना; देश प्रथम की नीति को अमल में लानाभारत को विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बनाने के बाद तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लिए संकल्प के साथ आगे बढ़ना, सशक्त विदेश नीति - जिसका लोहा आज विश्व के सभी देश मान रहे हैं, जिसके तहत विदेशों में फंसे भारतीयों को सकुशल भारत लाया गया, पाकिस्तान और चीन को मुंहतोड़ जवाब दिया गया।सुरक्षा बलों के प्रति हमेशा गौरव, सम्मान और आदर भाव रखना, उन्हें सशक्त और आत्म निर्भर बनाने हेतु लगातार प्रयास करना, सैन्य-उपकरणों में आयात को कम करके निर्यात को बढ़ावा देना (आज भारत ७० से अधिक देशों को सैन्य - सामग्री निर्यात कर रहा है) तथा वैश्विक शक्ति बनने हेतु प्रयासरत रहने ने सभी भारतीय को प्रभावित किया है।

आज की स्थिति में भारत की विश्व व्यापार रैंकिंग में पहले से सुधार हुआ है और सुधार के लिए सरकार प्रयासरत भी है। आज हम अपने देश पर गर्व कर सकते हैं क्योंकि भारत के पास सबसे बड़ा सिंक्रोनाइज्ड बिजली ग्रिड है। भारत के इसरो ने विदेशों के कई सैटेलाइट को अंतरिक्ष में पहुंचाने के साथ ही चंद्रयान-३, आदित्य एल-१ को सफल बना कर विश्व में भारत का नाम रोशन है। इंडिजिनियश मिसाइल से लेकर अन्य सैन्य हथियार विकसित करने वाला डीआरडीओ तथा ४.५ पीढ़ी के लाड़कू विमान तेजस बनाने वाला एचएल स्वदेशी तथा आत्मनिर्भर मिशन के तहत भारत का गौरव बढा रहें हैं। इतना ही नहीं आज भारत स्टील उत्पादन में, मोबाइल निमार्ण में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है साथ ही भारत के पास दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क, तीसरा सबसे बड़ा फार्मास्युटिकल उद्योग, तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क आदि हैं ।

आदिवासियों के अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए यह सरकार संकल्पित नज़र आती है तथा मेक इन इंडिया, लोकल फोर वोकल, शिक्षा नीति २०२०, कौशल विकास, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट शहर, स्टेंडअप इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम जन-धन योजना,पीएम गरीब कल्याण योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम किसान सम्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड,पीएम आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, पीएम पोषण अभियान, ने बड़ी राहत पहुंचा कर जनता को प्रभावित किया है।

वहीं अटल अमृत मिशन, पीएम मुद्रा लोन,पीएम गरीब कल्याण योजना,पीएम श्रमयोगी मान धन योजना, पीएम ज्योति बिमा योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशिन योजना, व्यापारियों एवं स्वरोजगार व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना, पीएम किसान मान-धन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम आदि ने भारतीयों के एक बहुत बड़े जरूरतमंद समूह को राहत पहुंचाई है। रोजगार में बढ़ोतरी के लिए आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना, राष्ट्रीय कैरियर सेवा योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, जल जीवन मिशन (घर-घर जल)आदि अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए काम कर रहे हैं।

ईज आफ डूइंग बिजनेस, डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर, पारदर्शिता, भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के प्रति संकल्प, आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति भी सराहनीय है। स्वदेशी को बढ़ावा देने के तहत देश में निर्मित वस्तुओं का उपयोग बढ़ा है जिससे आयत भी कम हुआ है। देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'पहले भारत भ्रमण फिर विदेश भ्रमण नीति' को प्रोत्साहित करने के तहत अन्य पर्यटक स्थलों के विकास के साथ धार्मिक पर्यटन स्थलों का विकास हुआ है और सुविधाएं बढ़ी हैं।एनडीए के जनहितैषी कार्यक्रम और योजनाएं और भी बहुत सारी है, सबका उल्लेख मुश्किल है।

मैंने उन्हीं का जिक्र किया है जिसने आम जनता को प्रभावित किया है, सोचने विचारने पर मजबूर किया है। अब एनडीए सरकार को एक और मौका मिलना चाहिए या नहीं यह मतदाताओं को तय करना है। सरकार किसकी बनाना है यह मतदाताओं का अपना निर्णय है। किन्तु सरकार बनाने हेतु मतदान अवश्य करना चाहिए क्योंकि हमारा मत लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करते हुए देश के भविष्य का निर्णायक होगा।

डॉ. मनमोहन प्रकाश

कार्ल एरिक मुलर के लिथोग्राफ की प्रदर्शनी का आयोजन

नई दिल्ली : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के संरक्षण और अभिलेखागार प्रभाग ने अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस के अवसर पर 'पीपल एंड प्लेसेज ऑफ इंडिया- ए रेट्रोस्पेक्ट' नामक एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी में आईजीएनसीए अभिलेखागार से कार्ल एरिक मुलर के लिथोग्राफ को प्रदर्शित किया जाएगा। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जबकि प्रतिष्ठित लिथोग्राफी और प्रिंटमेकिंग कलाकार श्री दत्तात्रेय आप्टे कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि थे।

प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ सच्चिदानंद जोशी और श्री दत्तात्रेय आप्टे द्वारा किया गया था, साथ ही कार्ल एरिक मुलर के कार्यों को प्रदर्शित करता हुआ एक कैटलॉग भी जारी किया गया।

अपने संबोधन में श्री आप्टे ने अपनी कलात्मक कृतियों के माध्यम से एरिक मूलर के साथ गहरे जुड़ाव की भावना व्यक्त की। उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे मुलर के लिथोग्राफ लोगों और उनके दैनिक जीवन के गहन अवलोकन के प्रतिबिंब हैं, जो उनके युग के समाज की एक मार्मिक झलक पेश करते हैं। उनका काम, उनके समय के समाज के लिए एक दर्पण के रूप में काम करते हुए, अभिलेखीय मूल्य रखता है, अपने युग के सार को समाहित करते हुए अपनी कला के माध्यम से भावनाओं का विशद प्रतिनिधित्व करता है। समाजवाद से प्रभावित, मुलर ने अपने समय की चुनौतियों को गहराई से देखा और भोगा और उसे उन्होंने अपनी कला के माध्यम से चित्रित किया। श्री दत्तात्रेय आप्टे ने व्यक्तिगत अनुभवों को शक्तिशाली कलात्मक अभिव्यक्तियों में अनुवाद करने की कलाकार की क्षमता को रेखांकित किया।

डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने अपने संबोधन में लिथोग्राफ की विशिष्टता, दुर्लभता और सार तत्व को व्यक्त किया, इस बात पर जोर दिया कि वे सामान्य जीवन के सार को कैसे समाहित करते हैं। यह दिखाते हुए कि कार्ल एरिक मुलर अपने लिथोग्राफ के माध्यम से इस गहन शिक्षण को कैसे संप्रेषित करते हैं, उन्होंने दोहराया कि सभी अभिव्यक्तियों को प्रचुर संसाधनों की आवश्यकता नहीं होती है। डॉ. जोशी ने सांस्कृतिक कलाकृतियों के भंडार के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के महत्व पर जोर दिया और इस प्रदर्शनी में स्पष्ट सूक्ष्मता के साथ इसे क्यूरेट करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने इस तरह की प्रासंगिक प्रदर्शनी को क्यूरेट करने में उनके प्रयासों के लिए संरक्षण और अभिलेखागार टीम की सराहना की और सभी को सोशल मीडिया के माध्यम से इसके बारे में जानकारी फैलाने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. जोशी ने सभी आयु वर्ग के लोगों, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इस क्षेत्र में और अधिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल देते हुए अपनी बात समाप्त की।

उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में कलानिधि डिवीजन के प्रमुख और डीन (प्रशासन), श्री रमेश चंद्र गौड़, संस्कृति फाउंडेशन के ट्रस्टी, वरुण जैन और आईजीएनसीए के पुरालेखपाल डॉ कुमार संजय झा शामिल थे।

प्रोफेसर रमेशचंद्र गौर ने अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई देते हुए, इस तरह की व्यावहारिक प्रदर्शनी के आयोजन के लिए संरक्षण और अभिलेखागार प्रभाग की टीम की सराहना की। उन्होंने कला और संस्कृति को समर्पित ४५ से अधिक संग्रह वाले आईजीएनसीए के सांस्कृतिक अभिलेखागार के अपार महत्व पर प्रकाश डाला। प्रो गौड़ ने जोर देकर कहा कि इस तरह की प्रदर्शनियां इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अभिलेखागार को जनता के लिए सुलभ बनाने उल्लेखनीय प्रयास के रूप में कार्य करती हैं। कार्ल एरिक मुलर के कार्यों के बारे में बोलते हुए, उन्होंने अपने युग के ऐतिहासिक आख्यान के रूप में उनकी भूमिका पर बल देते हुए कहा कि ये यथार्थ का एक वास्तविक चित्रण प्रस्तुत करती हैं जो पक्षपाती ऐतिहासिक लेखनों के विपरीत है।

डॉ. कुमार संजय झा ने संरक्षण और अभिलेखागार प्रभाग के साथ अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस को चिह्नित करते हुए प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि कार्ल एरिक मुलर के २० मूल लिथोग्राफ के प्रदर्शन को पर्यटक दृष्टिकोण, मंदिरों और विरासत, चित्रांकन और गांव के त्योहारों जैसे विषयों में वर्गीकृत किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि कार्ल एरिक मुलर, हाले स्कूल से जुड़े एक प्रमुख जर्मन कलाकार और विश्व स्तर पर अपनी 'समाजवादी यथार्थवाद' शैली के लिए जाने जाते हैं, का भारत के साथ गहरा संबंध था, जो बंगाल स्कूल और शांतिनिकेतन से प्रभावित था। उन्होंने के. के. हेब्बार और ललिता लाजमी जैसे भारतीय कलाकारों के साथ एरिक मुलर की मेल-जोल का भी उल्लेख किया, उनके साथ मिलकर उन्होंने पोर्ट्रेट बनाने के लिए सहयोग किया। साथ ही, उनकी पुस्तक 'मीन इंडियन' में इकतीस लिथोग्राफ को प्रदर्शित किया गया। मुलर की कृतियाँ १९७० के दशक में रोजमर्रा की जिंदगी के विभिन्न पहलुओं को दर्शाती हैं, जिनमें मजदूर, परिवहन श्रमिक, कारखाने के कर्मचारी और अपने प्राकृतिक वातावरण में मछुआरे शामिल हैं। ये कार्य आईजीएनसीए, एनजीएमए और भारत कला भवन में रखे गए हैं।

'पीओके पर भारत का अधिकार', अमित शाह का कांग्रेस पर तीखा हमला

अलग-अलग मुद्दों पर विपक्ष को घेरा

नई दिल्ली : गृहमंत्री अमित शाह ने एक साक्षात्कार के दौरान अलग अलग मुद्दों पर विपक्ष पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पीओके सिर्फ भाजपा की ही प्रतिबद्धता नहीं बल्कि देश की संसद की भी प्रतिबद्धता है। शाह ने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए यह भी कहा कि कांग्रेस नेता पाकिस्तान के पास एटम बम होने की बात करते हैं। उन्होंने कहा 'विपक्ष के नेता पाकिस्तान का सम्मान और पीओके को पाकिस्तान को सौंपने की बात करते हैं। राहुल गांधी को जनता के सामने इसका जवाब देना चाहिए।' पीओके में चल रहे प्रदर्शनों पर शाह ने कहा कि वहां अव्यवस्थाएं फैली हैं।

एक देश-एक चुनाव पर बोले शाह

समान नागरिकता संहिता (यूसीसी) पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि निश्चित तौर पर यूसीसी भाजपा के संकल्प पत्र का एक अहम मुद्दा है। उन्होंने कहा 'भाजपा एक देश-एक चुनाव का नियम भी लाना चाहती है और इस पर भी चर्चा होनी चाहिए। यह हमारे संकल्प पत्र का अहम मुद्दा है।'

कश्मीर में चुनाव लडेंगे और जीतेंगे

श्रीनगर में भाजपा के चुनाव न लड़ने पर अमित शाह ने कहा 'हम स्वीकार करते हैं कि अभी कश्मीर में हमारा संगठन मजबूत नहीं है। जब संगठन ताकतवर होगा, तो हम वहां चुनाव लडेंगे और मुझे पूरा विश्वास है कि हम जीत कर भी आएंगे।'

केजरीवाल पर शाह ने साधा निशाना

अमित शाह ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधा। दरअसल केजरीवाल ने कहा था कि अमित शाह प्रधानमंत्री बनेंगे। इसके जवाब में गृहमंत्री ने कहा कि केजरीवाल केवल २२ सीटों पर चुनाव लड. रहे हैं, इसलिए उनके बयान को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। शाह ने कहा कि मोदी २०२९ तक देश के प्रधानमंत्री बने रहेंगे और उसके बाद भी मोदी ही भाजपा का नेतृत्व करेंगे।

सर्जिकल स्ट्राइक पर विपक्ष के सवाल का दिया जवाब

विपक्ष द्वारा हाल ही में बालाकोट हमले और पुलवामा हमले पर सवाल उठाए गए थे। इसके जवाब में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के शासन में आतंकियों को घर में घुस कर मारा गया और अनुच्छेद ३७० हटने के बाद भाजपा सरकार ने कश्मीर में हालात बदले हैं। शाह ने आगे कहा कि अगर विपक्ष ने सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान की प्रतिक्रिया देखी होती तो वे सवाल नहीं उठाते। गृहमंत्री ने कहा 'विपक्ष के नेताओं की मानसिकता छोटी हो गई है और इसलिए, लोगों को गुमराह कर रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह सरकार के दस साल में इतने बम धमाके हुए और इसका कोई ठोस जवाब नहीं दिया गया।

ओडिशा के लोग बदलाव चाहते हैं

ओडिशा में विधानसभा चुनाव पर अमित शाह ने कहा कि नवीन पटनायक को भी स्वीकार कर लेना चाहिए कि ओडिशा के लोग बदलाव चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ओडिशा का हाल गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश जैसे स्थिर सरकार वाले अन्य राज्यों की तरह नहीं है, राज्य में विकास नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि ओडिशा के लोग सोचते हैं कि राज्य में कोई और ही सरकार चला रहा है। शाह ने ओडिशा में भाजपा के सीएम के चेहरे पर कहा 'हमारे पास अच्छा नेतृत्व और बहुत अनुभवी लोग हैं। कई अनुभवी नेता हमारे साथ शामिल हुए हैं।'

संदेशखाली की घटना पर टीएमसी को घेरा

कोलकाता के संदेशखाली की घटना पर केंद्रीय गृहमंत्री ने ममता बनजी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा 'टीएमसी की यही कार्यशैली है कि पहले जुल्म करो और जब लोग इस बारे में बात करें तो छुपाओ। संदेशखाली इसका उदाहरण है। एक महिला मुख्यमंत्री की नाक के नीचे धर्म के आधार पर महिलाओं के साथ दुष्कर्म होता है और वे चुप बैठी हैं?' शाह ने कहा कि इस मामले में उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पडा, फिर भी पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा कोई जांच नहीं की गई।

विपक्ष ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का बहिष्कार किया- शाह

अमित शाह ने राम मंदिर के मुद्दे पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा 'चुनाव के दौरान राम मंदिर एक मुद्दा बन गया। जब प्राण प्रतिष्ठा समारोह हो रहा था और सभी राजनीतिक दलों को निमंत्रण भेजा गया था। इंडि गठबंधन ने प्राण प्रतिष्ठा का बहिष्कार किया।' गृहमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं ने अल्पसंख्यक वोट बैंक के डर से राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का बहिष्कार किया।

कार्तिक आर्यन व तृप्ति डिमरी की अपकमिंग फिल्म

मुंबई : कार्तिक आर्यन व तृप्ति डिमारी की जोडी एक बार फिर से बडे. पर्दे पर नजर आने वाली है। अभी कार्तिक आर्यन व तृप्ति डिमरी अपनी आगामी फिल्म भूल भूलैया ३ की शूटिंग में व्यस्त हैं। लेकिन बता दे कि कार्तिक आर्यन व तृप्ति डिमारी की जोडी एक बार फिर से दर्शकों को बडे. पर्दे पर देखने को मिलेगी। इसके बारे में खुद टी-सीरीज के मालिक यानि भूषण कुमार ने जानकारी साझा की है। भूषण कुमार की हालहि में रिलीज हुई फिल्म श्रीकांत बॉक्स ऑफिस पर अच्छा-खासा बिजनेस कर रही है और ये फिल्म दर्शकों को काफी ज्यादा पसंद भी आ रही है। तो वहीं अब जाकर कार्तिक आर्यन व तृप्ति डिमरी के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर भूषण कुमार ने एक इंटरव्यू में जानकारी साझा की है।

भूषण कुमार ने अपने द्वारा दिए गए एक साक्षात्कार में उन्होंने कार्तिक आर्यन व तृप्ति डिमरी अभिनीत व अनुराग बासु द्वारा निर्देशित अपनी फिल्म के बारे में बात की है। भूषण कुमार ने बताया कि हम एक और फिल्म पर काम कर रहे हैं। जिसे हम जुलाई में शुरू करेंगे। इसका निर्देशन अनुराग बासु करेंगे। यह एक रोमांटिक फिल्म होगी। जिसे अनुराग दादा निर्देशित करेंगे। और इस फिल्म का हिस्सा कार्तिक आर्यन व तृप्ति डिमरी होंगी।

बता दे कि कार्तिक आर्यन व तृप्ति डिमरी की फिल्म भूल भूलैय्या ३ फ्लोर पर आ चुकी है। और इस फिल्म को भी भूषण कुमार ही निर्मित कर रहे हैं। अनुभवी निर्माता व तृप्ति ने इससे पहले संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित फिल्म एनिमल पर सहयोग किया था। रणवीर कपूर अभिनीत इस फिल्म को दर्शकों के एक वर्ग ने नापसंद किया था लेकिन इसके बावजूद फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

इसके अलावा कार्तिक आर्यन की जून में चंदू चैंपियन आने वाली है। और इसके बाद वो भूल भूलैया ३ में नजर आएंगे। इसके साथ ही कार्तिक आर्यन ने एक और फिल्म का पोस्टर जारी किया है। जोकि सुपरहीरों से संबंधित लग रही है। कार्तिक आर्यन आशिकी ३ में भी आने वाले दिनों में नजर आएंगे।

'द बॉयज़' के चौथे सीज़न का ट्रेलर रिलीज़

मुंबई : पॉपुलर सीरीज 'द बॉयज' के चौथे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह सीरीज अगले महीने रिलीज होगी। रिलीज हुआ इसका ट्रेलर बेहद रोमांचक और दिल छू लेने वाला है। बिली बुचर (कार्ल अर्बन) को अपनी पिछली गलतियों का एहसास होता है और वह अपने बचे हुए कम समय में दुनिया को बचाने के लिए निकल पड़ता है। ट्रेलर में भरपूर एक्शन है। ट्रेलर की शुरुआत में बिली बुचर को यह कहते हुए दिखाया गया है, 'जब मैं अपनी जिंदगी में पीछे मुड़कर देखता हूं तो पाता हूं कि मैंने सब कुछ बर्बाद कर दिया है और मेरे पास इसे ठीक करने का समय भी नहीं है। हो सकता है कि मेरे पास जो समय बचा है उसमें मैं कुछ ठीक कर सकूं। लेकिन, मैं इसे अकेले नहीं कर सकता। मुझे कंपनी चाहिए।

यह देश सड़ चुका है, इसके बारे में कुछ नहीं किया जा सकता। हमें इसे बचाना होगा। यह आसान नहीं होगा। हाथ गंदे हो जायेंगे। लेकिन, ये सबके फायदे के लिए है।

पूरे ट्रेलर में एक्शन और लड़ाई-झगड़े हैं। कसाई को लड़कों के मुख्यालय में प्रवेश करते हुए दिखाया गया है। वह अपनी पिछली गलतियों

से छुटकारा पाना चाहता है। वह अपने समूह के सामने अपनी गलतियाँ स्वीकार करता है। उनकी टीम उनके झूठ से परेशान नजर आ रही है। अमेज़न एमजीएम स्टूडियोज़ और सोनी पिक्चर्स टेलीविज़न की श्रृंखला का प्रीमियर १३ जून, २०२४ को प्राइम वीडियो पर होगा।

साउथ की फिल्म में काम करना बहुत मुश्किल है!

मुंबई : बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे अब ओटीटी पर धमाल मचा रही हैं। एक्ट्रेस की वेब सीरीज 'द ब्रोकन न्यूज २' का सीजन २ हाल ही में रिलीज हुआ है। फिल्मों में अपनी एक्टिंग और खूबसूरती के चलते वह पहले ही सभी की चहेती बन चुकी हैं। 'हम साथ-साथ' में 'प्रीति' के किरदार में सोनाली मुझे खास तौर पर पसंद आईं। उनकी जोड़ी सलमान खान के साथ बनाई गई थी। सोनाली ने बॉलीवुड के अलावा साउथ सिनेमा में भी काम किया है। उन्होंने चिरंजीवी, महेश बाबू जैसे सुपरस्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर की। हालांकि एक्ट्रेस का मानना है कि साउथ इंडस्ट्री में काम करना उनके लिए काफी मुश्किल था। सोनाली बेंद्रे ने एक इंटरव्यू में साउथ फिल्मों में काम करने का अपना अनुभव साझा किया है। एक डिजिटल प्लेटफॉर्म को दिए इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कहा कि पैन इंडिया शब्द पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा, मैंने हिंदी, मराठी, कन्नड़, तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम किया है। उन्होंने कहा कि मराठी फिल्म

'अनाहत' में अमोल पालेकर के साथ काम करना एक यादगार अनुभव था।

सोनाली ने कहा कि उन्होंने हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में भी काम किया है, लेकिन तेलुगु फिल्म में काम करने में बहुत मजा आया। सोनाली कहती हैं, तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के लोग बहुत प्यारे हैं। वहां का फिल्म सेट हमें वैसा ही लगता है। वहां संगीत और फिल्मों के प्रति उनका जुनून आपको एक अभिनेता के रूप में प्रेरित करता है। सोनाली को साउथ इंडस्ट्री में भी कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। वहां की भाषा को अपनाना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती थी। सोनाली का कहना है कि दुर्भाग्य से हिंदी और मराठी के अलावा वह मराठी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ बोलने में असमर्थ थीं, उनके लिए शूटिंग करना मुश्किल था क्योंकि कभी-कभी उन्हें शब्द याद नहीं रहते थे और बिना मतलब जाने उन्हें हिंदी की तुलना में चार गुना अधिक काम करना पड़ता था।

बेटे के साथ विक्रांत मेसी का 'क्वालिटी टाइम'

मुंबई : हाल ही में रिलीज हुई फिल्म '१२वीं फेल' की अपार सफलता के बाद विक्रांत मेस्सी सुर्खियों में हैं। एक्टर विक्रांत न सिर्फ अपनी प्रोफेशनल लाइफ बल्कि पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं। इस साल २ फरवरी २०२४ को विक्रांत मेस्सी और शीतल ठाकुर ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। विक्रांत की पत्नी शीतल ठाकुर ने अपने बेटे वरदान की कुछ प्यारी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिन्हें लोग खूब पसंद कर रहे हैं।

इन तस्वीरों में वरदान मस्ती करते नजर आ रहे हैं। विक्रांत मेसी इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ में काफी बिजी हैं, लेकिन इस दौरान भी एक्टर एक पिता के तौर पर अपना फर्ज निभाने में कोई कसर नहीं छोड़ते। कुछ दिन पहले '१२वीं फेल' एक्टर विक्रांत मेसी की पत्नी शीतल ठाकुर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बेटे वरदान की कुछ तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें पिता और बेटे के बीच बेहद प्यार भरा रिश्ता नजर आ रहा है। शीतल ने अनदेखी तस्वीरें शेयर कर बेटे वरदान की झलक दिखाई। वरदान के जन्म के बाद पहली बार इस जोड़े ने अपने बेटे की मस्ती करते हुए तस्वीरें साझा की हैं।

३२ साल बाद रजनीकांत, अमिताभ बच्चन एक साथ

मुंबई : साउथ फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत और हिंदी फिल्मों के महानायक अमिताभ बच्चन शुक्रवार को एक फिल्म के सिलसिले में एक-दूसरे से मिले। ये मुलाकात फिल्म 'वेटैया' के सेट पर हुई थी। इस फिल्म की शूटिंग फिलहाल मुंबई में चल रही है।

अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर यात्रा की कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिसमें सुपरस्टार और हीरो सूट पहने नजर आ रहे हैं' अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग पर लिखा, 'यह फिर से सुबह की शूटिंग है। मात्र २० मिनट में सी लिंक से होते हुए मरीन ड्राइव पहुंच गए। ड्राइव ख़ूबसूरत थी, लेकिन उससे भी अधिक आनंददायक काम के दौरान महान रजनीकांत का साथ था। वे बिल्कुल नहीं बदले हैं'

वही विनम्र, सरल और जमीन से जुड़ा गतिशील सितारा... यह फिल्म इस साल अक्टूबर में रिलीज होने वाली है। निदेशक टी. जे। इस फिल्म का निर्देशन ज्ञानवेल कर रहे हैं। मुख्य अभिनेता के तौर पर यह रजनीकांत की १७०वीं फिल्म है।

पंचायत के तीसरे सीज़न का टीज़र रिलीज़

मुंबई : पंचायत वेब सीरीज का दर्शकों के बीच जबरदस्त क्रेज है। पहले दो सीजन में सभी का दिल जीत चुके जितेंद्र कुमार के सीरियल पंचायत सीजन ३ की चर्चा काफी समय से हो रही है। हाल ही में इस वेब सीरीज के तीसरे सीजन की रिलीज डेट का ऐलान किया गया था। ऐसे में पंचायत ३ का लेटेस्ट टीजर भी रिलीज हो गया है। इस टीजर में बताया गया है कि इस पंचायत में ट्रिपल मजा होगा।

पंचायत के निर्माताओं ने शनिवार को वेब सीरीज के तीसरे सीजन का पहला टीजर जारी कर दिया है। जो एक ओटीटी प्लेटफॉर्म है जिसे प्राइम वीडियो ने अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर लॉन्च किया है। टीज़र में पंचायत वेब सीरीज़ के प्रह्लाद पांडे (फैसल खान), विकास (चंदन रॉय) और भूषण (दुर्गेश कुमार) का भी उल्लेख है और नए सीज़न में तीन गुना मज़ा का वादा किया गया है।

इस टीजर से पता चलता है कि देश के विभिन्न शहरों में पंचायत पेटू की काफी चर्चा होती है। कुल मिलाकर पंचायत ३ का ये टीजर बेहद शानदार और लाजवाब है। रिलीज होते ही यह सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा। इसके साथ ही पंचायत ३ के इस टीजर को देखने के बाद फैंस की उत्सुकता काफी बढ़ गई है। पंचायत वेब सीरीज के पहले २ सीजन ने दर्शकों का खूब मनोरंजन कर उनका दिल जीता है। इसके बाद उनका तीसरा सीजन आएगा। पंचायत ३ २८ मई २०२४ को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर ऑनलाइन स्ट्रीम होगी। सीरीज में जीतेंद्र कुमार के अलावा नीना गुप्ता और रघुबीर यादव जैसे कलाकार भी हैं।

पोर्न इंडस्ट्री को अलविदा कह चुकी स्टार्स अब क्या करती हैं?

कई एक्ट्रेसेस ऐसी रही हैं, जिन्होंने पोर्न इंडस्ट्री से खूब नाम कमाया है, लेकिन फिर बाद में इस इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया। ये हसीनाएं अब फिल्मी दुनिया से बाहर एक अलग दुनिया बिता रही हैं। आज हम आपको उन्हीं एक्ट्रेसेस के बारे में बताने जा रहे हैं, जो एक समय पर एडल्ट फिल्म इंडस्ट्री की जान थीं, लेकिन अब ये अदाकाराएं इस इंडस्ट्री को छोडक़र अपनी जिंदगी कुछ ऐसे बिता रही हैं।

मिया खलीफा

मिया खलीफा भी एक वक्त पॉर्न इंडस्ट्री की बडी स्टार थीं। बाद में अदाकारा ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। अब एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं। साथ ही वो अब अपने बॉयफ्रेंड के साथ वक्त बिताती हैं।

साशा ग्रे

एडल्ट फिल्म इंडस्ट्री की जान रहीं साशा ग्रे भी अब ये दुनिया छोड.चुकी हैं। वो पॉर्न इंडस्ट्री में नाम कमाने के बाद हॉलीवुड की ओर बढ.गईं और अब हॉलीवुड फिल्मों में नजर आती हैं। 'द गर्लफ्रेंड एक्सपीरियंस' फेम स्टार साशा ग्रे के चाहने वाले अभी भी लाखों में हैं।

सनी लियोनी

अदाकारा सनी लियोनी किसी वक्त बडी पॉर्न स्टार थीं। मगर अब अदाकारा बॉलीवुड इंडस्ट्री का जाना-माना नाम बन चुकी हैं। अदाकारा फिल्म इंडस्ट्री में काम करती हैं।

जिजेल लियोन

अदाकारा जिजेल लियोन भी एडल्ट फिल्म स्टार थीं। बाद में अदाकारा ने ये इंडस्ट्री छोड.दी और रियल एस्टेट की नौकरी पकड.ली थी। अब वो एक रियल एस्टेट एजेंट के तौर पर काम करती हैं।

जेन्ना जेम्सन

मॉडलिंग में हाथ आजमाने से पहले अदाकारा जेन्ना जेम्सन भी एक पॉर्न स्टार थीं। बाद में एक्ट्रेस ने ये इंडस्ट्री छोडक़र मॉडलिंग और फिर हॉलीवुड का रुख किया। जिसके बाद अदाकारा कई फिल्मों में नजर आई।

उद्धव के लिए 'सहानुभूति लहर' की काट होगी राज और मोदी की रैली

मुंबई : भाजपानीत महायुति (महागठबंधन) ने शुक्रवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान की समापन रैली का आयोजन किया है। इस रैली में पहली बार महायुति के अन्य नेताओं के साथ ही महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे भी प्रधानमंत्री के साथ होंगे। इस रैली को उद्धव ठाकरे द्वारा अपने पक्ष में जुटाई जा रही मराठी मानुष की सहानुभूति की काट के तौर पर देखा जा रहा है।

विगत नौ अप्रैल को इसी शिवाजी पार्क में अपनी पाटी की रैली को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपानीत महायुति को समर्थन देने का निर्णय किया था। अब उनकी पाटी मनसे की तरफ से ही प्रधानमंत्री की सभा के लिए शिवाजी पार्क की बुकिंग भी की गई है।

महाराष्ट्र में पांचवें एवं अंतिम चरण का मतदान २० मई को

महाराष्ट्र में पांचवें एवं अंतिम चरण का मतदान २० मई को होना

फूंट फुट पर खेल रही महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना

है। इस चरण के लिए प्रचार १८ मई की शाम छह बजे तक ही किया जा सकता है। इसलिए, उससे एक दिन पहले ही शिवाजी पार्क में प्रचार अभियान की समापन रैली करने की योजना बनाई गई है। इस रैली में राज ठाकरे का आना इसलिए महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि २००६ में अपनी पाटी का गठन करने के बाद से अब तक वह पहली बार किसी अन्य दल या गठबंधन के मंच पर जाकर किसी सभा को संबोधित करेंगे।

एकनाथ शिंदे पर पाटी को 'चुराने' का आरोप

यह रैली दादर स्थित उसी शिवाजी पार्क में होने जा रही है, जहां शिवसेना संस्थापक उनके ताऊ स्वगीय बालासाहेब ठाकरे लंबे समय तक शिवसेना की परंपरागत दशहरा रैली को संबोधित करते आए थे। जून २०२२ में शिवसेना में हुए विभाजन के बाद चुनाव आयोग और विधानसभा अध्यक्ष द्वारा शिवसेना एवं उसके चुनाव चिह्न धनुष-बाण पर अधिकार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट को दिया जा चुका है। इसके बाद से ही शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे द्वारा एकनाथ शिंदे पर अपनी पाटी को 'चुराने' का आरोप लगाते आ रहे हैं।

मुंबई और ठाणे में मराठी मतदाता अहम

ये आरोप लगाकर वह मुंबई के मराठी मतदाताओं की सहानुभूति अपने पक्ष में करना चाहते हैं। मुंबई और ठाणे की आठ लोकसभा सीटों पर मराठी मतदाताओं की औसत आबादी ३५ से ४० प्रतिशत तक है। भाजपा और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लग रहा है कि यदि सहानुभूति लहर में ये मतदाता एकमुश्त उद्धव के साथ गए तो उनके लिए मुश्किल खडी हो सकती है। इसी मुश्किल को कम करने के लिए भाजपानीत महायुति ने राज ठाकरे को अपने साथ लेने का फैसला किया है।

कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने की अपील

साथ ही उन्होंने अपने पाटी कार्यकर्ताओं से छह माह बाद होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने की अपील भी की थी। माना जा रहा है कि अब जब वह पहली बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ शिवाजी पार्क में अपने ताऊ बालासाहेब ठाकरे के स्मृति स्थल पर पहुंचेंगे और सभा को संबोधित करेंगे तो उसका असर उद्धव ठाकरे के पक्ष में जाने वाली सहानुभूति लहर को कम करने में सहायक हो सकता है।

महायुति के साथ चुनाव नही लडे.राज ठाकरे

शुरुआत में लग रहा था कि राज ठाकरे महायुति के साथ मिलकर चुनाव मैदान में उतरेंगे। उन्हें महायुति में शामिल करने के लिए उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उनसे कई बार बातचीत भी हुई थी। इसके बाद राज ठाकरे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने दिल्ली भी गए तो लगा कि अब उनका महायुति का हिस्सा बनकर चुनाव मैदान में उतरना तय हो गया है। लेकिन, कुछ दिन शांत रहने के बाद उन्होंने गुढीपाडवा के शुभ मौके पर घोषणा की कि वह लोकसभा चुनाव में नहीं उतरेंगे। लेकिन देश में चल रहे विकास कार्यों को गति देने एवं नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए वह महायुति को अपना समर्थन जरूर देंगे।

खरगे ने राम मंदिर पर स्थिति साफ कर दी

मुंबई : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि भाजपा द्वारा लोगों को भडक़ाने के लिए यह झूठ फैलाया जा रहा है कि कांग्रेस सत्ता में आई तो अयोध्या के राममंदिर पर बुलडोजर चला देगी। कांग्रेस ऐसा कुछ नहीं करने वाली है। कांग्रेस का शासन आने पर हर चीज की हिफाजत की जाएगी।

शुक्रवार शाम मुंबई में हुई आईएनडीआईए गठबंधन की संयुक्त रैली के बाद शनिवार दोपहर में गठबंधन का एक संयुक्त सम्मेलन भी हुआ। इसमें पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने कहा कि कांग्रेस की सरकार आने पर अयोध्या में राममंदिर पर बुलडोजर चलाने की बात लोगों को भडक़ाने के लिए कही जा रही है।

खरगे ने कहा कि उनकी सरकार बुलडोजर सरकार के नाम से जानी जाती है। हम किसी पर बुलडोजर नहीं चलाते। जो रामजन्मभूमि ट्रस्ट की ओर से भगवान का मंदिर बन रहा है, जनता में एक भ्रम और रोष पैदा करके उन्हें भडक़ाने का काम प्रधानमंत्री खुद कर रहे हैं। इस पर तो चुनाव आयोग को उनपर कार्रवाई करनी चाहिए।

हमारी सरकार आने के बाद हर चीज की हिफाजत की जाएगी

खरगे के अनुसार जो चीजें हम नहीं कर सकते हैं, असंभव हैं, उनके बारे में बोलकर वह लोगों को भडक़ा रहे हैं। ऐसा कभी नहीं होगा। हमारी सरकार आने के बाद हर चीज की हिफाजत की जाएगी। हम संविधान के अनुसार चलेंगे। इसी मुद्दे पर बोलते हुए शिवसेना(यूबीटी) और राकांपा(शपा) के प्रमुखों ने भी अपना पक्ष रखा।

शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारी सरकार बनी तो वह मंदिर पर बुलडोजर चलाने के बजाय सबसे पहले मंदिर निर्माण का काम पूरा करेगी। राकांपा (शपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि इस देश में जितने भी धार्मिक स्थल हैं, चाहे वह हिंदू के हों, मुसलमान के हों, सिख के हों या ईसाई के हों, उन सबका सम्मान रखना हमारा कर्तव्य है।

महाराष्ट्र की ४८ में से ४६ सीटें महाविकास आघाडी को

इसी संवाददाता सम्मेलन में मल्लिकार्जुन खरगे ने देश में आईएनडीआईए गठबंधन की सरकार बनने का दावा करते हुए कहा कि महाराष्ट्र की ४८ में से ४६ सीटें उनकी महाविकास आघाडी जीतने जा रही है। जबकि उद्धव ठाकरे ने राज्य की सभी ४८ सीटें जीतने का दावा करते हुए कहा कि मोदी गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए ही पाकिस्तान का नाम लेकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं।

जो फैसला नहीं मानेगा, वह बाहर जाएगा

खरगे ने कहा कि अभी जल्दी ही एक और बयान आया है ममता बनजी का कि यदि सरकार बनती है, तो वह सरकार में शामिल हो जाएंगी। पश्चिम बंगाल के कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी द्वारा ममता बनजी को भरोसेमंद न बताए जाने पर खरगे ने कहा कि निर्णय लेनेवाले अधीर रंजन नहीं हैं। निर्णय लेने वाले हम हैं। कांग्रेस पाटी है। कांग्रेस हाईकमांड है। हम जो निर्णय लेंगे, वही सही होगा। पाटी हाईकमांड हम हैं। हम जो तय करेंगे, वह सबको मानना होगा। जो नहीं मानेगा, वह बाहर जाएगा।

एयर इंडिया का विमान टेकऑफ के दौरान हादसे का हुआ शिकार

बाल-बाल बची १८० यात्रियों की जान,

पुणे : गुरुवार यानी कल १६ मई को दिल्ली जाने वाले एयर इंडिया के एक विमान की पुणे हवाई अड्डे पर रनवे की ओर बढ़ते समय एक टग ट्रैक्टर से टक्कर हो गई। यह घटना तब हुई जब विमान में लगभग १८० यात्री सवार थे।

हवाईअड्डे के एक अधिकारी ने एएनआई को बताया कि? लगभग १८० यात्रियों को ले जा रहे विमान की नाक और लैंडिंग गियर के पास एक टायर क्षतिग्रस्त हो गया। इसमें शामिल सभी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए आपातकालीन प्रोटोकॉल तेजी से लागू किए गए। किसी के भी घायल होने की सूचना नहीं है। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि यात्रियों को तुरंत विमान से उतार दिया गया और दिल्ली के लिए वैकल्पिक उडान की व्यवस्था की गई थी।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने टक्कर का कारण निर्धारित करने के लिए जांच शुरूकर दी है। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि जमीन पर विमान को चलाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले टग ट्रक ने टैक्सिंग प्रक्रिया के दौरान विमान को टक्कर मार दी। डीजीसीए की जांच परिचालन प्रोटोकॉल और संभावित खामियों पर केंद्रित होगी, जिसके कारण यह घटना हुई।

हादसे के बाद हवाईअड्डे का संचालन बिना किसी महत्वपूर्ण व्यवधान के जारी रहा। हालांकि, प्रभावित विमान को संक्षिप्त अवधि के लिए विस्तृत निरीक्षण और मरम्मत के लिए सेवा से बाहर कर दिया गया था और अब वह संचालन के लिए तैयार है।

टिशू पेपर के कारण मच गया था हडक़ंप

वहीं, बुधवार को ही दिल्ली एयरपोर्ट पर एयर इंडिया के विमान में रखे टिशू पेपर में 'बम' लिखा मिला, जिसके बाद एयरपोर्ट पर हडक़ंप मच गया और सुरक्षा अधिकारियों ने पूरे विमान की जांच की, लेकिन कुछ भी नहीं मिला। बाद में यह महज अफवाह साबित हुई।

मालूम हो कि हाल ही में विमानन कंपनी के कई कर्मचारी एक साथ अवकाश पर चले गए थे, जिसके बाद सैंकडों फ्लाइट्स रद्द हो गई थी। हालांकि, कंपनी ने यात्रियों को रिफंड या दूसरी फ्लाइट की सुविधा देने की बात कही थी। वहीं, एक साथ छुट्टी लेने वाले कई कर्मचारियों पर कंपनी द्वारा कार्रवाई की गई थी।

उद्धव ने धोखा दिया... होंगे ऐतिहासिक फैसले' : गोयल

मुंबई : पीयूष गोयल भाजपा के उन नेताओं में से एक हैं, जिन्होंने भाजपा को उसके जनसंघ काल से ही आगे बढ़ते देखा है। वह भाजपा-शिवसेना गठबंधन के भी गवाह हैं, क्योंकि १९८४ में उनके सायन स्थित घर पर ही भाजपा-शिवसेना के पहले चुनावी समझौते पर तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष स्वगीय अटल बिहारी वाजपेयी एवं दिवंगत शिवसेना सुप्रीमो बालासाहेब ठाकरे के बीच मुहर लगी थी।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल उत्तर मुंबई की लोकसभा सीट से चुनाव लड. रहे हैं। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के तीसरे कार्यकाल में भारत का आश्चर्यजनक सर्वांगीण विकास होगा। प्रस्तुत है पीयूष गोयल से दैनिक जागरण के मुंबई ब्यूरो प्रमुख ओमप्रकाश तिवारी की बातचीत के अंश।

प्रश्न - कैसा चल रहा है आपका चुनाव अभियान? उत्तर मुंबई की सीट से राम नाईक और गोपाल शेट्टी जैसे लोकप्रिय नेता चुनकर जाते रहे हैं।

उत्तर - मेरा जन्म भाजपा परिवार में हुआ है। मेरे पिता स्वगीय वेदप्रकाश गोयल राज्यसभा सदस्य और केंद्रीय मंत्री थे। जबकि मेरी मां स्वगीय चंद्रकांता गोयल माटुंगा से तीन बार विधायक थीं। मैंने राम भाऊ से बहुत कुछ सीखा है। वह बहुत वरिष्ठ एवं बडे. ही व्यवस्थित तरीके से काम करनेवाले नेता रहे हैं। दूसरी ओर मैंने वर्तमान सांसद गोपाल शेट्टी के साथ भी काम किया है। वास्तव में मैं उन दोनों के साथ पारिवारिक संबंधों का आनंद लेता हूं। दोनों मेरी मदद कर रहे हैं। जहां तक उत्तर मुंबई का सवाल है, हमारा लक्ष्य 'उत्तर मुंबई' को 'उत्तम मुंबई' बनाने का है।

प्रश्न- मुंबई के सायन स्थित आपका निवास कई महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाओं का गवाह रहा है।

उत्तर- जी। वाजपेयी जी जब भी मुंबई आते थे तो आम तौर पर हमारे घर पर ही रुकते थे। दरअसल, मेरे आवास पर ही भाजपा और शिवसेना के बीच औपचारिक चुनावी गठबंधन पर मुहर लगी थी। दिवंगत बाला साहेब ठाकरे वाजपेयी जी से मिलने हमारे घर आये थे। जब चीजें फाइनल हो गई तो दोनों शिवाजी पार्क गए और घोषणा की। तब शिवसेना दो लोकसभा सीटों पर भाजपा के चुनाव चिह्न कमल पर ही चुनाव लडी थी। मैं भी शुरू से ही भाजपा के लिए काम करता रहा हूं।

प्रश्न- शिवसेना के साथ संबंध कैसे गडबडा गए?

उत्तर - जब उद्धव ठाकरे ने भाजपा को धोखा देकर शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा और कांग्रेस से हाथ मिला लिया, तो वह बालासाहेब के सिद्धांतों और विचारधारा से भटक गए। यह दुर्भाग्यपूर्ण था। हालांकि एकनाथ शिंदे बालासाहेब के सिद्धांतों पर अडिग रहे हैं। इसलिए उनके साथ भाजपा का गठबंधन चल रहा है।

प्रश्न - कहा जा रहा है कि उद्धव ठाकरे और शरद पवार की पार्टियां टूट जाने के बाद सहानुभूति लहर उनके साथ है। इस तथ्य में कितनी सच्चाई है?

उत्तर - ये महज एक दावा है। दावा करने पर तो कोई टैक्स लगता नहीं। वे कुछ भी दावा कर सकते हैं। तथ्य यह है कि लोगों ने मोदी के काम को देखा है। लोग देख रहे हैं कि पिछले १० वर्षों में भारत कैसे बदल गया है। महाराष्ट्र और देश में अन्य जगहों पर जो भी लोग हमारे साथ हैं, उन्होंने भी मोदी का काम देखा है।

प्रश्न - नई सरकार के कार्यभार संभालने के बाद के १०० दिनों का एक खाका तैयार कर लिया गया है।

उत्तर - मोदी रिकॉर्ड बहुमत से चुनाव जीतने जा रहे हैं। उनका तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना तय है। एक बार जब वह दोबारा पद संभालेंगे तो उनके पास एक ब्लू-प्रिंट तैयार है। बीजेपी के नेतृत्व वाली तीसरी राजग सरकार ऐतिहासिक फैसले लेने जा रही है। मोदी का तीसरा कार्यकाल प्रधानमंत्री के रूप में आश्चर्यजनक सर्वांगीण विकास का होगा, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। आपने देखा कि प्रधानमंत्री कैसे काम करते हैं।

प्रश्न - एक रैली में प्रधानमंत्री ने कहा है कि सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में दो लाख सहकारी समितियां स्थापित करना और भारत के ग्रामीण परिदृश्य की अर्थव्यवस्था को गति देना है।

उत्तर - हां, विचार यह है कि गांवों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया जाए। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि एक किलो भी कृषि उपज बर्बाद न हो। सहकारिता क्षेत्र को मजबूती मिलने जा रही है। हमारे पास सहकारी बैंकों, सहकारी चीनी मिलों और सहकारी दुग्ध फेडरेशनों के महाराष्ट्र के उदाहरण हैं।

प्रश्न - महाराष्ट्र के कई जिलों में प्याज का उत्पादन होता है। यहां के किसान प्याज निर्यात पर प्रतिबंध लगाए जाने से असंतुष्ट बताए जा रहे हैं।

उत्तर - प्याज निर्यात पर प्रतिबंध लगाया गया था। लेकिन अब हटा लिया गया है। अब निर्यात पर कोई कोटा भी नहीं है। कोई कितना भी प्याज का निर्यात कर सकता है। उलटे सरकार ने प्याज उत्पादक किसानों के हितों के लिए ही कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। जिनका लाभ उन्हें मिलने वाला है।

'भाजपा आरएसएस पर बैन लगाने की बना रही योजना'

उद्धव ठाकरे ने लगाया बडा आरोप

मुंबई : शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को दावा किया कि भाजपा तीसरी बार चुनाव जीतने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही है। एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि निर्वाचन आयुक्त को आईएनडीआईए के सत्ता में आने के बाद हटा दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जिस तरह से भाजपा ने शिवसेना का उपयोग कर उसे फेंक दो की नीति पर काम किया, वही खेल भविष्य में आरएसएस के साथ खेला जाएगा। यह बात भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कही है।

उद्धव एक अखबार में छपे नड्डा के उस बयान का हवाला दे रहे थे कि जब भाजपा छोटी पाटी थी और कम ताकतवर थी, तब उसे आरएसएस की जरूरत थी। लेकिन, अब भाजपा बडी और अधिक मजबूत हो गई है। वह अपना संचालन स्वयं करती है।

आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही भाजपा- ठाकरे

ठाकरे ने सवाल किया कि आरएसएस के सभी कार्यकर्ता नरेन्द्र मोदी को पीएम बनाने के लिए कडी मेहनत करते हैं। ऐसे में आप आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की योजना क्यों बना रहे हैं, जिसने आपको राजनीतिक ताकत दी। ठाकरे ने कहा कि जो भी भाजपा शासन में नौकर की तरह काम कर रहा है, उसे बर्खास्त कर दिया जाएगा।

जज ने सुनाई लडक़ी की आपबीती, हाईकोर्ट ने आरोपी को जमानत देने से किया इनकार

१० साल की उम्र से कर रहा था दुष्कर्म

मुंबई : बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक लडक़ी के साथ १० साल की उम्र से बार-बार दुष्कर्म करने के आरोपी व्यक्ति को जमानत देने से इनकार कर दिया है और कहा है कि इस भयानक अपराध के कारण पीडति़ा 'निम्फोमेनियाक' बन गई है। जस्टिस पृथ्वीराज चव्हाण की एकल पीठ ने सोमवार को फैसले में आरोपी द्वारा दायर जमानत याचिका को खारिज करते हुए कहा कि अपराध न केवल एक विवेकशील व्यक्ति की अंतरात्मा को झकझोरने वाला है बल्कि अप्रिय भी है।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में शब्दश: पीडति़ा द्वारा अपनी आपबीती का वर्णन करते हुए लिखी गई २७ पेज की डायरी का हवाला दिया और कहा, 'उसकी मानसिक, मनोवैज्ञानिक और शारीरिक स्थिति और आरोपी के हाथों हुई दरिंदगी के प्रभाव का वर्णन करने के लिए शब्द कम पड.जाएंगे।'

हाईकोर्ट ने कहा, 'आवेदक द्वारा किया गया कथित अपराध न केवल किसी भी विवेकशील व्यक्ति की अंतरात्मा को झकझोर देने वाला है, बल्कि घृणित भी है। ऐसे भयानक अपराध के कारण पीडति़ा एक निम्फोमेनियाक बन गई है।'

पीडति़ा के माता-पिता ने दावा किया कि आरोपी और उसकी पत्नी ने इस बात का फायदा उठाया कि लडक़ी के पिता दुबई में काम करते थे। उन्होंने दावा किया कि उन्हें अपराध के बारे में तभी पता चला जब उन्हें २०२१ में पीडति़ा की डायरी उसके कमरे से मिली, जब वह १७ साल की थी। लडक़ी एक लडक़े के साथ भाग गई थी जिसके बाद उसके माता-पिता ने उसके कमरे की तलाशी ली थी।

डायरी में पीडति़ा ने दावा किया कि जब वह चौथी कक्षा में थी तभी से आरोपी व्यक्ति ने उसके साथ दुष्कर्म करना शुरूकर दिया था और उसकी पत्नी को इसके बारे में पता था। उसने दावा किया कि आरोपी उसे एक गोली देता था जो जाहिर तौर पर यौन उत्तेजित करती थी।

लडकियों के माता-पिता ने डायरी देखने के बाद २०२१ में उस व्यक्ति और उसकी पत्नी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पत्नी को विशेष अदालत ने जमानत दे दी थी। लेकिन उस व्यक्ति की जमानत खारिज कर दी गई, जिसके बाद उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

बंबई हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपी की पत्नी ने जानबूझकर गैरकानूनी कृत्यों में सहायता की और उकसाया और वह भी समान रूप से दोषी प्रतीत होती है। पीठ ने यह भी कहा कि लडक़ी की डायरी के अनुसार, उसने कथित दुष्कर्म के बारे में अपनी मां को बहुत पहले ही बता दिया था। लेकिन सामाजिक कलंक के कारण मां ने कोई कार्रवाई नहीं की।

अदालत ने कहा कि ज्यादातर मामलों में यौन शोषण करने वाले बच्चे के परिचित व्यक्ति होते हैं। कोर्ट ने कहा कि आरोपी को जमानत देना पीडति़ा के घावों को और अधिक बढ़ाने और सडाने के समान होगा जो अभी भी उसके दिमाग, शरीर और आत्मा में ताजा हैं।

गुलाम कश्मीर की जनता भारत के साथ : सीएम योगी

६ महीने में होगा भारत का हिस्सा

पालघर : यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बडा ऐलान करते हुए कहा है कि तीसरी बार मोदी सरकार बनने के ६ महीने के भीतर पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) भारत का हिस्सा होगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के हालात खराब हैं, उससे पीओके संभाले नहीं संभल रहा है और पीओके के लोग भारत में शामिल होना चाहते हैं।

योगी आदित्यनाथ शनिवार को यहां नालासोपारा वेस्ट में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पाटी प्रत्याशी हेमंत सांवरा के लिए जनता से वोट की अपील की। योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि छत्रपति शिवाजी के हिन्दवी स्वराज को प्रधानमंत्री मोदी साकार कर रहे हैं।

रामभक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर

उन्होंने कहा कि आज कोई टेढी नजर से भारत को देखता है तो उसकी नजर निकाल ली जाती है। कहा कि इस चुनाव में जनता कांग्रेस का विसर्जन कर रही है। योगी ने कहा कि अब यूपी में कोई सडक़ पर नमाज नहीं पढ.सकता, मस्जिदों से लाउडस्पीकर भी उतार लिये गये हैं।

उन्होंने इंडी गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि पाकिस्तान का राग अलापने वाले वहीं जाकर भीख मांगे। सीएम योगी ने यह भी कहा कि काशी और अयोध्या के बाद अब हम मथुरा की ओर बढ.रहे हैं। उन्होंने भरोसा जताते हुए कहा कि रामभक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर।

महाराष्ट्र और यूपी का चोली दामन का साथ

मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम आज जगमगा रहा है। महाराष्ट्र और यूपी का साथ चोली दामन का है। काशी के गागा भट्ट ने छत्रपति शिवाजी का अभिषेक करके उन्हें छत्रपति की उपाधि से सम्मानित किया था। काशी में महाराष्ट्र के राजाओं द्वारा बनाए गये अलग अलग घाट हैं। अब हम काशी और अयोध्या के बाद मथुरा की ओर बढ.रहे हैं। हमारे कृष्ण कन्हैया पहले ही इस बात की घोषणा कर चुके हैं कि मैं सज्जनों का संरक्षण करूंगा और राष्ट्रद्रोहियों का नाश करूंगा। आज पूरा देश कह रहा है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे।

हमने जो कहा वो कर के दिखा दिया

योगी आदित्यनाथ ने हिन्दवी स्वराज का बोध जागृत करने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज और कांतिकारी राघव जी भागरे व श्रीकृष्णा जी राव को नमन किया। उनहोंने कहा कि पिछली बार यहां आया था तो कांग्रेस का सूर्यास्त हो गया था। सीएम योगी ने कांग्रेस के साथ साथ उद्धव ठाकरे और शरद पवार पर हमला बोलते हुए कहा कि ये लोग कहते थे कि भाजपा वाले १०० जन्म भी ले लेंगे फिर भी राम मंदिर नहीं बनवा पाएंगे।

हम तब भी कहते थे कि रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे। हमने जो कहा वो कर के दिखा दिया। कहा कि अब इंडी गठबंधन वाले कहते हैं कि अगर कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनी तो फिर राम मंदिर का क्या करना है ये हम तय करेंगे। योगी ने कहा कि रामलला उन्हें इस लायक छोडेंग़े ही नहीं कि वो कभी दिल्ली पहुंच सकें।

ये लोग देश को डराते थे कि राममंदिर का फैसला आएगा तो देश में दंगे हो जाएंगे। आज राममंदिर में श्रीरामलला विराजमान भी हो चुके हैं मगर एक तिनका भी नहीं हिला, दंगा तो बहुत दूर की बात है। उन्होंने बताया कि यूपी में पिछले ७ साल में कोई दंगा नहीं हुआ।

पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों को मारा है

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले यूपी में बडे.बडे.माफिया सत्ता का संचालन करते थे, बेटी व्यापारी के लिए खतरा थे। हमने बुलडोजर चला के एक झटके में सब खत्म कर दिया। अब यूपी में सडक़ पर कोई नमाज नहीं पढता। अब वहां मस्जिदों से माइक भी उतर गये हैं। लोग कुछ समय में लोग उस चिल्लाहट को भूल भी जाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि आज भारत का पूरी दुनिया में सम्मान बढा है, सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। आतंकवाद और नक्सलवाद पर लगाम लगा है। कांग्रेस के समय में आतंकवादी बम फोडते थे। तब कांग्रेसी कहते थे कि आतंकवादी सीमापार से हैं।

योगी ने सवाल पूछा कि अगर आतंकी सीमापार थे तो हमारी मिसाइलें किस दिन के लिए थीं। कहा कि मोदी जी ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों को मारा है। ब्रिटिश अखबार भी बताता है कि पाकिस्तान में जितने बडे. आतंकी थे वो एक एक करके मारे गये हैं। कोई हमारे लोगों को मारेगा तो हम उसे पूजेंगे नहीं, हम वही करेंगे जिसके वो हकदार हैं।

योगी ने कहा कि ये नया भारत है, जो बिना रुके, बिना हटे, बिना डरे, बिना डिगे मोदी जी के नेतृत्व में विकास की यात्रा पर बढ.चला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन के समय में गरीब भूख से मरता था। मोदी जी ८० करोड. लोगों को फ्री राशन दे रहे हैं। जितनी पाकिस्तान की आबादी है उससे अधिक लोगों को भारत ने गरीबी रेखा से ऊपर उठाकर खुशहाल जीवन दिया है।

पाकिस्तान हिन्दुस्तान में रहता तो भूखों नहीं मरता। आज वहां एक किलो आटा के लिए गली मोहल्लों के जानवरों जैसी छीना झपटी हो रही है। जो पाकिस्तान का राग अलापते हैं उनसे कहना चाहिए कि जाकर पाकिस्तान में भीख मांगों, क्यों हिन्दुस्तान पर बोझा बने हुए हो।

इस अवसर पर भाजपा के महाराष्ट्र अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, पालघर से प्रत्याशी हेमंत सांवरा, मंत्री रविन्द्र चव्हाण, सांसद राजेंद्र गावित, विधायक नितीश राणे, रविंन्द्र पाठक, रानी द्विवेदी, महेन्द्र पाटिल, राजन नाइक, विश्वनाथ पाटिल, निलेश तोलडक़र, स्नेहा दुबे, नंद कुमार पाटिल सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

मतदाताओं को भ्रमित करते कुछ मुद्दे

डॉ. मनमोहन प्रकाश

अलादीन का चिराग और जिन्न की कहानी सभी ने सुनी है। जिन्न का सबसे पहला जिक्र अरब की प्राचीन इस्लामी संस्कृति में मिलता है। आज के वैज्ञानिक युग में जिन्न के अस्तित्व को स्वीकारना कितना सही और कितना गलत है मैं पाठक पर छोड़ता हूं। किन्तु जो कहानियां प्रचलन में हैं उससे तो यही स्पष्ट होता है कि ये अदृश्य आत्माएं अद्भुत और शक्तिशाली हैं, कुछ भी करने में सक्षम हैं, इन्हें वश में करने पर इनसे कुछ भी कराया जा सकता है। ऐसी भी मान्यता है कि ऐ आत्माएं जिस मनुष्य से प्रसन्न हैं, जिस मनुष्य के वश में हैं उनका कठिन से कठिन काम चंद मिनटों में कर सकती हैं। वहीं इन आत्माओं का रूष्ट होना मनुष्य को हानि पहुंचा सकता है, बने हुए काम को बिगाड़ सकता है। तांत्रिक लोग जिन्न को बोतल में बंद कर के रखते हैं ताकि मनुष्य को इनके दुष्प्रभाव से बचा कर रखा जा सके। किन्तु जैसे ही ये आत्माएं बोतल से बाहर आ जाती हैं, कैद से मुक्त हो जाती है या मुक्त कर दी जाती है तो पहले से ज्यादा खतरनाक हो जाती हैं और अपने आका द्वारा बताए काम करने में जुट जाती है। वैसे भी यह कहा जाता रहा है कि बुरे लोगों/बुरी आत्माओं से दोस्ती और दुश्मनी दोनों ही अच्छी नहीं है अतः इनसे दूर रहना ही श्रेष्ठकर है पर स्वार्थी मानव अपने विरोधियों के विरुद्ध इन आत्माओं को बोतल से बाहर निकाले, उपयोग किये बिना कैसे रह सकता है?

भारत में इस समय लोकसभा के लिए निर्वाचन प्रक्रिया जारी है। इसमें हर दल और प्रत्याशी द्वारा मतदाता से अपने पक्ष में मतदान का आग्रह करने के लिए प्रचार- प्रसार के तरह-तरह के हथकंडों को उपयोग में लाया जा रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में प्रचार-प्रसार के तरीके भी आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से अछूते नहीं हैं। फेक समाचार, फेक विचार, फेक वक्तव्य और फेंक चेहरे का उपयोग किया जा रहा हो तो कौन जानता है।

यदि मतदाता का मन टटोला जाए तो वह यही चाहता है उसके क्षेत्र का प्रत्याशी और उसकी पार्टी के स्टार प्रचारक, कार्यकर्ता मतदाताओं को यह बताएं कि कैसे हमारा भारत देश आगामी पांच वर्षों में और अधिक तरक्की करेगा, सशक्त बनेगा? विकास की रफ्तार को तेज करने के लिए किस माडल का उपयोग किया जाएगा? सरकार बनने पर उसकी क्या प्राथमिकताएं रहने वाली है? देश की विभिन्न समस्याओं जैसे बड़ते अपराध, मेहंगाई, बेरोजगारी, अराजकता, नशावृत्ति, प्रदूषण को कैसे कम किया जायेगा? आतंकवाद और नक्सलवाद को समाप्त करने की उसकी क्या योजना रहेगी? दीन-दुखी, गरीब, शोषित, वंचित आदि लोगों तक रोटी, कपड़ा, मकान, बिजली, पानी, रसोई गैस, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य आदि जैसे बुनियादी सुविधाएं कैसे पहुंचेगा? आरक्षण का लाभ आरक्षित वर्ग में जो गरीब है उन्हें कैसे मिलेगा? देश की सीमाओं के साथ आन, बान और शान की रक्षा कैसी होगी?

राष्ट्रवाद कैसे और मजबूत होगा? देश आर्थिक रूप से कैसे सशक्त होगा? विकसित राष्ट्र की श्रेणी में भारत कब और कैसे पहुंचेगा? आदि। इन विषयों पर प्रचार के दौरान न के बराबर सुनने को मिलता है। पर ऐसा लगता है लगभग सभी राजनैतिक पार्टियों ने मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए पहले से ही बोतल में जिन्न की तरह कुछ मुद्दे बंद कर रखे। जनता जिन बातों को भूल चुकी है, जो मुद्दे उनके जहन में है ही नहीं, जिन्हें जिन्न की तरह बोतल में बंद कर के भुला दिया गया है उन्हीं बातों को, मुद्दों को आज चुनाव प्रचार में सोच-समझकर जिन्न की तरह चुनाव के हर चरण में बोतल से बाहर निकला जा रहा है, जनता और मतदाताओं के बीच में लाया जा रहा है।यह जिन्न रुपी मुद्दा भी इतना प्रभावशाली दिखाई देता है कि जैसे ही वह जनता के बीच आता है अपना काम करना आरंभ कर देता है, मतदाताओं के ऊपर अपना प्रभाव छोड़ने लगता है।अपेक्षा भी यही रहती है जिन्न की तरह ये मुद्दे भी शक्तिशाली रुप लेकर मतदाताओं के मन मस्तिष्क को प्रभावित कर के पार्टी और प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करें।

सत्ता में आने पर जातिगत जनगणना तथा आर्थिक सर्वे कराने, पुरानी पेंशन बहाली, अग्निवीर योजना समाप्ति, नागरिक संहिता तथा सीएए पर अमल न करने की बात की जा रही है। गरीबों को मुफ्त बिजली, पानी,राशन के साथ महिलाओं को बिना काम किए निश्चित राशि हर माह खाते में डालने तथा एमएसपी का भरोसा दिलाया जा रहा है, समयबद्ध बढ़ोतरी तथा किसान सम्मान निधि का जिक्र हो रहा है। माहौल को सांप्रदायिक बनाने के लिए विभिन्न दलों के अपने प्रयास हो रहे हैं, हिन्दू-मुस्लिम किया जा रहा है, वोट जिहाद जैसे शब्द गढ़े जा रहे हैं।

भव्य एवं दिव्य राममंदिर, तथा सनातन की विभिन्न संदर्भों में चर्चा है।कोई मंदिर को विकास से जोड़ रहा है, सनातनियों की आस्था, विश्वास, धर्म, सम्मान और गौरव का प्रतीक बता रहा है, तो कोई इसका वास्तु और उद्घाटन का समय ठीक नहीं है बता रहा है, तो कोई सत्ता में आने पर इसके शुद्धिकरण की बात कर रहा है।

किसी धर्म विशेष की आबादी बढ़ने तथा किसी की कम होने से भारत में जाति गत ताना-बाना बिगड़ने का जिक्र है।कुछ उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने की चर्चा है।एक पक्ष द्वारा डर भी पैदा किया जा रहा है कि पाकिस्तान से दोस्ती करों, बात करों क्योंकि उसके पास परमाणु बम है, वहीं दूसरा पक्ष का कहना है कि घबराने की जरूरत नहीं हमने पहले ही पोखरण में परमाणु परीक्षण कर दुनिया को भारत की शक्ति और सामर्थ्य से अवगत करा दिया है।यह नया भारत है दुश्मन को उनके घर में घुसकर मारने का साहस रखता है। यह भी चर्चा है कि देश को तानाशाही सरकार से मुक्त कराना है, तो दूसरी ओर यह भी चर्चा है की शहजादे को शक्ता में आने नहीं देना है।एक गठबंधन के पास सर्वमान्य नेता नहीं है तो दूसरे गठबंधन के पास सर्वमान्य नेता तो है पर उसका उत्तराधिकारी कौन? वन नेशन वन लीडर का डर फैलाया जा रहा है।

कोई कह रहा है हमारे नेता ने स्वच्छ, भ्रष्टाचार मुक्त, गरीब हितैषी सरकार दे कर देश में राजनीति की परिभाषा बदल दी, तो कोई कह रहा है हमारे नेता ने देश भर में यात्रा करके भारत को जोड़ने का काम किया है। जनता और मतदाता भ्रमित है इनमें से सच क्या है और ग़लत क्या है? कोई कह रहा है हमारी सरकार में युवाओं की आकांक्षाओं को पंख मिले हैं, महिलाएं सशक्त हुई है, करोड़ों गरीब गरीबी रेखा से बाहर आए हैं, तो कोई कह रहा है यह सब छलावा है, आंकड़ों की बाजीगरी है।किसके बोलने का विश्वास करें और किसका नहीं? पिछले वर्षों में जो हुआ है, जिनके परिणाम सामने है, उन पर भरोसा करें या जो सपने दिखाए जा रहे हैं उस पर चांस ले? पिछले तीन चरणों में जो कम मतदान हुआ है कहीं उनका कारण मतदाताओं के मन में चल रहे ये प्रश्न तो नहीं?जिन्न रुपी मुद्दे तो अपना काम करेंगे यह मतदाताओं को तय करना है कि उनके हित में क्या है? देश के हित में क्या है? इसलिए मतदान अवश्य करें और लोकसभा के लिए सही प्रत्याशी का चयन करके देश में लोकतंत्र को और मजबूत करें।

चार जून से पहले ही वादे को पूरा करने में जुटी भाजपा

बडे. सैन्य सुधार की तैयारी

नई दिल्ली : १४ अप्रैल को भाजपा ने जब अपना संकल्प पत्र जारी किया था, तो उसमें सैन्य थिएटर कमांड स्थापित करने की योजना का खुलासा किया था। वहीं संकल्प पत्र जारी होने के एक माह पूरे होने से पहले ही एकीकृत थिएटर कमांड (इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड) बनाए जाने को लेकर इंटर सर्विसेज ऑर्गेनाइजेशंस (कमांड, कंट्रोल और डिसिप्लिन) आईएसओ एक्ट को लेकर मंजूरी दे दी। इस एक्ट के तहत सेना के तीनों अंगों- थलसेना, वायुसेना और नौसेना को मिलाकर एकीकृत थिएटर कमांड बनाए जाएंगे। वहीं सैन्य सूत्रों ने बताया कि सरकार ने थिएटराइजेशन शुरू करने के लिए अगले महीने नई सरकार के

शपथ ग्रहण के बाद से एक साल की समय सीमा तय की है। इसके अलावा एकीकृत थिएटर कमांड बनाने के साथ ही सरकार वाइस चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और डिप्टी चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की भी नियुक्ति करेगी।

बडे.वादे पर काम हुआ शुरू

रिटायर्ड ब्रिगेडियर अनिल गुप्ता इस बात पर बेहद खुशी जताते हैं कि अगले महीने सरकार बनने से पहले ही भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में किए एक बडे. वादे पर काम करना शुरू कर दिया है। वह कहते हैं कि भाजपा में थिएटराइजेशन के सवाल पर कोई दो राय नहीं है। यह देश की सुरक्षा से जुडा मामला है। भाजपा इसके लिए वचनबद्ध है। यह देश के लिए बहुत बडा बदलाव है, जो बेहद जरूरी था। वह कहते हैं कि अभी तो यह पहला कदम है, जल्द ही ज्वाइंट कमांड का स्ट्रक्चर भी नजर आएगा। रिटायर्ड ब्रिगेडियर अनिल गुप्ता कहते हैं कि अभी तक थल सेना, एयर फोर्स और नेवी का अपना कमांड होता था, लेकिन एकीकृत थिएटर कमांड बनने से सेना के इन तीनों अंगों को एकीकृत किया जाएगा। तीनों सेनाओं के सभी संसाधनों का बेहतरी से इस्तेमाल किया सकेगा, साथ ही इससे आपस में तालमेल भी बढ़ेगा।

सूत्रों ने बताया कि मोदी सरकार अपने सामान्य कामकाज के दृष्टिकोण को साथ लेकर चल रही है और नए कार्यकाल के लिए उनकी प्राथमिकताएं पहले से तय हैं। वहीं चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, सर्विस चीफ और संबंधित अधिकारी साथ मिल कर पहले से ही थिएटराइजेशन और अधिक प्रभावी बनाने की योजनाओं पर काम कर रहे हैं। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान सीडीएस ने ०९-१० मई परिवर्तन चिंतन २.० की अध्यक्षता भी की थी। इस बैठक में १२ उप-समितियों ने थिएटराइजेशन को लेकर चर्चा की और क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा के लिए मल्टी डोमेन ऑपरेशंस करने में सक्षम कुशल और प्रभावी बल के निर्माण को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

जून २०२५ तक पूरी हो जाएगी थिएटराइजेशन की प्रक्रिया

१४ अप्रैल को भाजपा ने अपने संकल्प पत्र के पृष्ठ संख्या ३८ पर 'सुरक्षित भारत की मोदी की गारंटी' नाम से राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक विशेष चैप्टर शामिल किया था। अमर उजाला डॉट कॉम ने सबसे पहले इस पर खबर भी की थी। इसी चैप्टर के तीसरे पॉइंट में भाजपा ने थिएटर कमांड बनाने की बात कही थी। भाजपा ने लिखा था, 'हमने बेहतर सैन्य समन्वय के लिए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) का पद स्थापित किया है। हम सेना के कुशल संचालन के लिए सैन्य थिएटर कमांड की स्थापना करेंगे।' यह पहली बार था जब किसी राष्ट्रीय दल ने राष्ट्रीय सुरक्षा को अहमयित देते हुए एकीकृत थिएटर कमांड बनाने की बात कही थी। वहीं सैन्य सूत्रों का कहना है कि सरकार ने थिएटराइजेशन शुरू करने के लिए अगले महीने नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद से एक साल की समय सीमा तय की है। यानी कि अगले साल जून २०२५ तक एकीकृत थिएटर कमांड बनाने का काम खत्म हो जाएगा। सैन्य सूत्रों के मुताबिक सरकार थिएटराइजेशन प्रकिया शुरू करने को लेकर बहुत स्पष्ट है और उम्मीद है कि तय समय सीमा के भीतर सशस्त्र बल एक संरचना के साथ नजर आएंगे। उनका कहना है कि यह देश में अब तक का सबसे बडा सैन्य सुधार होगा।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण संपन्न हुआ मतदान

इंदौर : चौथे चरण का मतदान में अल सुबह से रंग दिखा गया। सुबह ६ बजे से ही मतदान केंद्रों पर मजमा जमने लगा। सात बजे मतदान शुरू होने तक तो लंबी कतारें थीं। मतदाताओं में उत्साह साफ दिखा। शहर में विदेश से भी मतदाता अपना वोट डालने के लिए पहुंचे। देर रात तक ईवीएम स्ट्रांग रूम में जमा होती रहीं। कुछ जगह मशीनें काम नहीं करने पर तुरंत बदल दी गईं। कहीं से किसी बड़ी घटना की सूचना नहीं है, जहां दोबारा मतदान की नौबत आए।

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में इंदौर में सोमवार सुबह से वोटिंग शुरू हुई। सुबह से ही लोगों ने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर वोट डालना शुरू कर दिया था। हर मामले में अव्वल रहने वाले इंदौरियों में मतदान के प्रति भी उतना ही जज्बा दिखाई दिया। सोमवार से विभिन्न मतदान केंद्रों पर वोट डालने वालों में कुछ ऐसे लोग भी थे, जिन्होंने अपनी समस्याओं को दरकिनार करके मतदान करने का फैसला किया।

यहीं नहीं इंदौरी होने और अपने मताधिकार को जीवित रखने के लिए मतदाता अमेरिका तक से आए थे। वहीं कोई व्हीलचेयर पर मतदान करने आया था, तो कोई सेवानिवृत्त मित्रों के साथ समूह बनाकर मतदान करने पहुंचा। यह सभी स्वस्थ लोकतंत्र के वो उदाहरण हैं, जो अन्य लोगों को प्रेरित करते हैं कि वे भी देश के सबसे बड़े उत्सव का हिस्सा बनें।

अमेरिका से सिर्फ मतदान करने आई

कसेरा बाजार स्कूल आदर्श मतदान केंद्र क्रमांक ५७ पर सुबह नीना जैन वोट डालने पहुंची। उन्होंने बताया कि वह अमेरिका से सिर्फ मतदान करने के लिए आई हैं। उनका कहना है कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में हमारा एक-एक मतदान मायने रखता है। ऐसे में हमें अपने वोट के अधिकार को अवश्य निभाना चाहिए। मतदान करना हमारा कर्तव्य, दायित्व और जिम्मेदारी है। इससे भागना नहीं है बल्कि उत्साह के साथ निभाना है।

व्हीलचेयर पर डालने पहुंचे वोट

सुबह से वोट डालने वालों में युवा, पुरुष और महिलाएं सभी शामिल हैं। इसमें कुछ ऐसे लोग भी हैं, जिनके हौसले का कोई जवाब नहीं। सुबह अपने मताधिकार का उपयोग करने ८६ वर्षीय रमेश चंद्र व्हीलचेयर पर मतदान करने पहुंचे। रमेश चंद्र का कहना है कि वह अपनी दिव्यांगता को अपनी जिम्मेदारी के बीच नहीं आने देते। उन्होंने कहा कि पांच वर्षों बाद हमें यह अधिकार मिलता है, इसे यूंहीं नहीं गंवाना चाहिए।

इंदौर के विजय नगर स्थित स्कीम नंबर ५४ में ज्ञान चबूतरा से जुड़े सेवानिवृत्त अधिकारी, चिकित्सक और वरिष्ठ नागरिक का समूह ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। समूह के सभी सदस्यों ने एक साथ केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया और उद्यान में एकत्र होकर समूह फोटो लेकर इंटरनेट मीडिया पर अपलोड किया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त एडीजी मदन राने, पूर्व एसपी राजेश जायसवाल, पूर्व डीएसपी अशोक सोलंकी, पूर्व डिप्टी कमिश्नर एक्साइज नरेंद्र कुरील और डा. बीएस अग्रवाल सहित अन्य अफसर शामिल रहें।

चौथे चरण में ७१.७२ प्रतिशत मतदान

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया है कि मध्यप्रदेश लोकसभा निर्वाचन-२०२४ के चौथे चरण में प्रदेश के आठ लोकसभा संसदीय क्षेत्रों के सभी मतदान केन्द्रों में सुबह ७ बजे से शाम ६ बजे तक मतदान हुआ।

अनुपम राजन ने बताया कि सभी आठ लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में (अनंतिम जानकारी अनुसार) ७१.७२ प्रतिशत मतदान हुआ है।

लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्र.-२१ देवास (अजा) में ७४.८६ प्रतिशत, क्र.-२२ उज्जैन (अजा) में ७३.०३ प्रतिशत, क्र.-२३ मंदसौर में ७४.५० प्रतिशत, क्र.-२४ रतलाम (अजजा) में ७२.८६ प्रतिशत, क्र.-२५ धार (अजजा) में ७१.५० प्रतिशत, क्र.-२६ इंदौर में ६०.५३ प्रतिशत, क्र-२७ खरगौन (अजजा) में ७५.७९ प्रतिशत एवं क्र.-२८ खंडवा में ७०.७२ प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है।

राम लला का मंदिर गौरवशाली विरासत का प्रतीक है

नई दिल्ली : उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने सपरिवार अयोध्या में श्री राम लला के दर्शन किए। इस अवसर पर द पर अपने संदेश में उपराष्ट्रपति कहा कि यह मंदिर, भक्ति और आध्यात्म की हमारी गौरवशाली परंपरा का जीता जागता प्रतीक है। उन्होंने आगे लिखा है कि आज जब हमारा देश एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में दृढ़ता से अग्रसर है, ऐसे में प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद इस भारत भूमि पर बना रहे, यही प्रार्थना है।

उन्होंने कहा कि यह अवसर मेरे और मेरे परिवार के लिए, मेरे दिल, मेरे दिमाग और आत्मा को एक साथ एकत्र करता है।

उन्होंने कहा कि हमारे संविधान के भाग ३ में श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण का चित्र अंकित है।

उन्होंने इस मंदिर निर्माण में लगे कारीगरों तथा श्रमिक कर्मियों के योगदान का अभिनंदन किया।

उपराष्ट्रपति की इस यात्रा की शुरुआत हनुमानगढ़ी के दर्शन से हुई, उन्होंने लिखा - साहस, शक्ति और भक्ति के प्रतीक बजरंगबली के चरणों में शीश नवा कर तन मन प्रसन्नता और ऊर्जा से भर गया। इसके बाद उपराष्ट्रपति ने कुबेर टीला में कामेश्वर महादेव मंदिर में पूजा अर्चना की और भक्ति एवं साहस के प्रतीक पक्षीराज जटायु के दर्शन किए। अपनी अयोध्या यात्रा के अंत में उपराष्ट्रपति ने सपरिवार सरयू नदी के दर्शन किए और आरती की।

इस अवसर कर उन्होंने कहा कि सरयू नदी अनादि काल से भारतीय सभ्यता तथा सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न हिस्सा रही है- यह दिव्य अनुभव अगाध आध्यात्मिक शांति प्रदान करने वाला है। इस अवसर पर श्री हरिवंश नारायण सिंह, राज्यसभा उपसभापति, श्री सूर्य प्रताप शाही, मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, श्री पी. सी. मोदी, राज्यसभा महासचिव, श्री चंपत राय, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव उपस्थित थे।

श्रीलंका और फिलीपीन्स के डेलीगेशन ने देखी मतदान सामग्री वितरण प्रक्रिया

भोपाल : लोकसभा निर्वाचन-२०२४ की सभी प्रक्रियाओं को देखने एवं उससे जुड़े विभिन्न चरणों को समझने श्रीलंका और फिलीपीन्स का ११ सदस्यीय डेलीगेशन भोपाल आया हुआ है। इस इन्टरनेशनल डेलीगेशन ने ६ मई को सुबह भोपाल में मतदान सामग्री वितरण स्थल पर पहुँचकर मतदान सामग्री वितरण प्रक्रिया को देखा और उसकी सिलसिलेवार जानकारी ली। इस दौरान डेलीगेशन के साथ संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मनोज खत्री, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, सीईओ जिला पंचायत ऋतुराज सिंह उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि दल को कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह एवं मास्टर ट्रेनर द्वारा संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया की चरणवार विस्तृत जानकारी दी गयी। इवीएम, वीवीपैट, मतदान दल गठन, मतदान सामग्री वितरण, मॉनिटरिंग, सुरक्षा संबंधी व्यवस्था सहित निर्वाचन संबंधी अन्य प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि दल के सदस्यों द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया संबंधी विभिन्न प्रश्न पूछे गये, जिनका कलेक्टरकौशलेन्द्र विक्रम सिंह द्वारा समाधान किया गया। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि दल ने सामग्री वितरण स्थल पर मतदान दलों से रूबरू होकर चर्चा की एवं प्रक्रिया संबंधी विभिन्न जानकारियां प्राप्त कीं।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्य

इन्टरनेशनल डेलीगेशन में फिलीपीन्स के 'कमीशन ऑन इलेक्शन्स' की एसोसिएट कमिश्नर सोकोर्रो बी. इंटिंग, डायरेक्टर सेलिया बी. रोमेरो एवं एग्जीक्युटिव असिस्टेंट लेसली एन सी. कॉनक्विला तथा श्रीलंका के 'प्रेसीडेंशियल कमीशन ऑफ इन्क्वायरी टू मेक रिकमंडेशन्स फॉर इलेक्शन लॉ रिफार्म्स' के चेयरमैन जस्टिस वीवेज प्रियसथ गेरार्ड डेप, कमीशन मेम्बर सुंथारम अरूमैनायाहम, कमीशन मेम्बर अलीसंदारालेज सेनानायके, कमीशन मेंबर अहमद लेब्बे मोहम्मद सलीम, कमीशन मेंबर निमालका फर्नान्डो, कमीशन मेंबर विथारानागे दीपानी सामंथा रॉडरिगो, कमीशन मेंबर एलन करमाइकल वेरे तंबिनायागम डेविड सहित कमीशन सेकेट्री माधवा देवासुरेन्द्र भोपाल आये हैं।

रामायण के अंदर प्रवेश करने पर होता हैं रहस्यों का प्राकट्यः पं. निर्मल कुमार शुक्ल

बैतूल : रामायण की कथा अलौकिक है, मात्र जो दिखता है वही सत्य नहीं है। रामायण के अंदर प्रवेश करने पर रहस्यों का प्राकट्य होता है। यह सारा संसार भगवान का बनाया हुआ है, इसीलिए इसमें मनुष्य को कैसा रहना चाहिए यह संस्कार भी भगवान ही देते हैं, इसीलिए स्वयं अपने परिजनों के साथ संसार में आकर हमारा चारित्रिक मार्गदर्शन भी करते हैं।

जिला पंचायत सदस्य राजा ठाकुर के आवास टैगोर वार्ड में राम कथा के अष्टम दिवस मानस महारथी पं.निर्मल कुमार शुक्ल ने राम रावण के चरित्र का एक अलग ही निरूपण किया। उन्होंने कहा कि रावण और राम दोनों एक ही जगह से आए हैं जैसे आजकल रामलीला मंडलियां आती हैं, लेकिन उनके सारे पात्र एक ही गांव के होते हैं और आपस में संबधी भी होते हैं किन्तु यहां आकर शत्रु मित्र आदि आदि भूमिकाओं का निर्वाह करते हैं। ठीक उसी प्रकार रावण राम दोनों का आगमन एक ही वैकुंठ लोक से हुआ है। रावण कुंभकर्ण दोनों भाई पूर्व काल में वैकुंठ में भगवान के परम प्रिय पहरेदार थे।

एक बार सनकादि ऋषियों ने इन्हें राक्षस होने का शाप दे दिया और यह हिरण्यकशिपु तथा हिरण्याक्ष बन कर राक्षस योनि में पैदा हुए। भगवान ने वाराह और नृसिंह अवतार लेकर उन दोनों का उद्धार किया। दूसरी बार दोनों रावण कुंभकर्ण बने, अबकी बार भगवान ने रामावतार लेकर इनका उद्धार किया। जब भगवान राम के हाथों खर दूषण का वध हुआ यह सुनकर रावण को विश्वास हो गया कि परमात्मा का अवतार हो चुका है, मेरे मोक्ष का समय नजदीक आ गया।

इसी उद्देश्य से रावण ने सीता जी का हरण किया। रावण को सीता वापस करने के लिए २२ लोगों ने समझाया किंतु उसने किसी की बात नहीं माना। अंत में मंदोदरी ने समझाया कि राम से बैर मत करो सीता के कारण लंका का सर्वनाश हो जाएगा।

सूरदास जी ने रामचरितावली में कहा कि रावण मंदोदरी को समझाते हुए कहता है कि प्रिये मैं सीता को नहीं लौटाऊंगा। यह सीता मुझे भवसागर पार होने के लिए नौका के रूप में मिली है अपने हाथों इस नौका का विनाश नहीं करूंगा। अंततः सारे वंश को भगवान के हाथों मरवा कर स्वयं मुक्त हो गया।

इस कथा से समाज को यह शिक्षा मिलती है कि राम जैसा आचरण करें और रावण के चरित्र को कभी न स्वीकार करें। पर नारी को माता के समान तथा पराई संपत्ति को मिट्टी के ढेले के समान समझें। सोमवार को कथा में वृंदावन से सुप्रसिद्ध भागवत एवं रामायण के कथावाचक श्याम नारायणाचार्य महाराज का पदार्पण हुआ।

किलेदार परिवार व श्रोताओं को महाराजश्री का आशीर्वाद सुलभ हुआ। राजा ठाकुर एवं अरुण सिंह किलेदार ने महराजश्री का स्वागत किया। राजेन्द्र सिंह किलेदार, प्रदीप सिंह किलेदार, राज सिंह परिहार व ऋषीराज सिंह परिहार ने समस्त श्रोताओं का आभार व्यक्त किया। आज ७ मई को इस भव्य आयोजन का विश्राम हो जाएगा।

अपने बच्चों को तेज़ और बुद्धिमान बनाए

करें ये ८ काम, जिंदगी में कभी नहीं करेगा हार का सामना

हर माता-पिता की ख्वाहिश होती है कि उनके बच्चे होशियार, तेज और मेंटली बहुत स्ट्रॉन्ग बनें. वे जो भी करना चाहें उसमें अव्वल आएं. पेरेंट्स बच्चों को मेंटली शार्प बनाने के लिए कई तरह के तरीके आजमाते हैं. उन्हें हेल्दी डाइट देते हैं. अच्छी परवरिश देते हैं. हालांकि, इस तेज स्पीड से भागती दुनिया में आप चाहते हैं कि आपका बच्चा दूसरों से आगे निकल जाए तो कुछ बातों, स्किल्स को उनके अंदर डेवलप करना होगा. चलिए जानते हैं ६ ऐसे टिप्स जो आपके बच्चे को बना सकते हैं मेंटली शार्प और इंटेलिजेंट.

१. आपका बच्चा मेंटली तेज और होशियार बनाना है तो उन्हें खुलकर बात करने के लिए प्रोत्साहित करें. उन्हें अपनी भावनाओं को पहचानकर एक्सप्रेस करने में मदद करें. बच्चों को उनकी भावनाओं को कँट्रोल करना सिखाएं. स्ट्रेस मैनेज करने के लिए डीप ब्रीदिंग और माइंडफुलनेस के बारे में सिखाएं.

२. अपने बच्चों को समस्याओं से भागना नहीं बल्कि उन्हें सॉल्व करने के बारे में प्रोत्साहित करें. इससे वे अपनी राह में आने वाली बाधाओं से पार पा सकेंगे. आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को बढ़ावा दें ताकि वे हिम्मत के साथ बाधाओं को दूर कर सकें कहने का मतलब है कि बच्चों में प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स आप विकसित करेंगे तो वे तेज बनेंगे.

३. अपने बच्चों को अपनी नकारात्मक सोच को बदलने के लिए आवश्यक संसाधन दें. बाधाओं और अवधारणाओं को पहचानकर समझदारी और पॉजिटिव सोच को बढ़ावा दें. बच्चों में जब आप आशावादी सोच विकसित करेंगे तो वे जीवन में आने वाले हर उतार-चढ़ाव को बखूबी हैंडल कर लेगा.

४. बच्चों को मेंटली शार्प और होशियार बनाने के लिए उनके साथ कुछ फैमिली एक्टिविटीज करें. बोर्ड गेम खेलें या फिर उनके साथ आउटडोर जाएं. इससे बाहरी दुनिया की समझ बढ़ेगी.

५. शरीर और दिमाग के बीच सही तरीके से तालमेल बिठाने के लिए बेहद जरूरी है कि बच्चे फिजिकल एक्सरसाइज करने पर जार डालें. इससे उनका बेहतर मेंटल और फिजिकल ग्रोथ होगा. मेंटल स्ट्रेंथ को बूस्ट करने के लिए एक्सरसाइज बहुत जरूरी है. इससे कॉग्निटिव फक्शन, इमोशनल रेगुलेशन, फिजिकल हेल्थ आदि में सुधार होता है. जो बच्चे फिजिकल फिटनेस को प्रॉइयॉरिटी देते हैं, वे लचीलापन और मानसिक स्पष्टता प्राप्त करते हैं, जो आवश्यक भी है.

६. बच्चों को मेंटली स्ट्रॉन्ग बनाने के लिए उन्हें हमेशा कॉम्पटीशन में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करें. उन प्रतिस्पर्धा में भाग लने के लिए कहें जो उन्हें नई ऊचाइयों को छूने के लिए प्रोत्साहित करे. प्रतिस्पर्धा को स्वीकार करने से बच्चों के अंदर विश्वास डेवलप होता है.

७. बच्चों को भरपूर मौका दीजिए कि वो कोई भी काम स्वतंत्र रूप से कर सकें इससे वे जो भी गलती करेंगे, उससे सीखेंगे और अपने अंदर जिम्मेदारी की भावना विकसित करेंगे.

८. यदि बच्चे भरपूर नींद नहीं लेंगे, हेल्दी डाइट का सेवन नहीं करेंगे तो सही से उनका फिजिकली और मेंटली विकास नहीं हो पाएगा. ऐसे में उनके अंदर हेल्दी खानपान, भरपूर नींद लेने, रेगुलर एक्सरसाइज करने की आदत को विकसित करना पेरेंट्स का काम है. इससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सही रहेगा.

स्किन की पैच टेस्ट करना क्यों है जरूरी

स्किन एलर्जी से बचने का जानें सही तरीका

कई बार हम स्किन केयर या मेकअप का नया प्रोडक्ट खरीदकर लगाते हैं लेकिन जैसे ही स्किन पर इसे अप्लाई करते हैं, जलन और खुजली जैसी परेशानी होने लगती है. कई बार तो ये इतना अधिक हो जाते हैं कि दोबारा कोई प्रोडक्ट खरीदने या किसी तरह का नुस्खा इस्तेमाल करने से डर लग जाता है. ऐसी समस्याओं से बचने का सबसे आसान तरीका है कि आप अपनी स्किन पर एक पैच टेस्ट कर लें. जी हां, यह एक तरीका है जिसकी मदद से यह पता चल जाता है कि यह प्रोडक्ट आपकी स्किन पर सूट करता है या नहीं. ऐसा करने से स्किन पर पहले इसका इफेक्ट पता चल जाता है और अगर एलर्जी जैसी कोई बात होती है तो हम समझ पाते हैं कि यह हमारी स्किन को सूट करती है या नहीं.

मेडिकल न्यूज टुडे के मुताबिक, स्किन केयर के लिए इस्तेमाल होने वाले प्रोडक्ट कई अलग अलग चीजों की मदद से बनाये जाते हैं. ऐसे में कुछ चीजें किसी इंसान की त्वचा पर जलन पैदा कर सकता है या एलर्जी कर सकता है. इस मथड से हाथ या बॉडी के किसी भी हिस्से की स्किन पर कम मात्रा में इसे अप्लाई कर एक टेस्ट लिया जाता है और उसके रिएक्शन को देखा जाता है. इस तरह यह एलर्जी या सेंसिटिविटी की जांच करने का एक सिंपल और असरदार तरीका है.

कैसे करें एलर्जी की पहचान

अगर पैच टेस्ट करने पर स्किन पर रैश हो रहा है, स्किन ड्राई, डल या खुजली महसूस हो रही है, जलन हो रहा है, छाले पड़ रहे हैं या सूजन जैसा दिख रहा है, तो समझ जाएं कि प्रोडक्ट आपकी स्किन के लिए सही नहीं और यह आपकी स्किन पर एलर्जी कर रहा है.

पैच टेस्ट करने का तरीका

किसी भी नए प्रोडक्ट को स्किन पर इस्तेमाल करने से पहले अपनी कलाई, कान के पीछे या गले पर थोड़ी मात्रा में अप्लाई कर के देखें. अगर आपको कुछ देर बाद किसी तरह की खुजली, जलन लालिमा महसूस हो तो प्रोडक्ट का इस्तेमाल ना करें. समझ जाएं कि यह आपकी स्किन को सूट नहीं कर रहा है.

झाइयां दूर करने का सही जुगाड़

महीने भर में स्किन दिखेगी बेदाग क्लीन और स्पॉटलेस स्किन खूबसूरती के लिए जरूरी माना जाता है. लेकिन जैसे जैसे उम्र बढ़ती है स्किन पर झाइयों के निशान आने लगते हैं और इनकी वजह से चेहरा दाग धब्बेदार दिखने लगता है. एक बार अगर झाइयां चेहरे पर आ जाएं तो इन्हें हटाना नामुमकिन सा लगता है. लेकिन अगर आप इसे रोकना चाहते हैं और स्किन को स्पॉटलेस बनाना चाहते हैं तो किचन में रखे आलू की मदद लें. जी हां, अगर आप स्किन के दाग धब्बों को हटाने के लिए आलू का इस्तेमाल सही तरीके से करें तो चेहरे पर मौजूद इन जिद्दी दाग को बड़ी आसानी से हटाया जा सकता है.

आलू से पिगमेंटेशन ऐसे करें दूर

पहला तरीका : एक आलू को मिक्सी में पीस लें और छन्नी की मदद से इसके रस को निकाल लें. अब इस रस को कुछ देर फिज में रख दें. जब ये अच्छी तरह ठंडा हो जाए तो इसमें एक चम्मच नींबू का रस मिलाएं और कॉटन की मदद से स्किन पर इसे लगाएं. १० से १५ मिनट के बाद इसे धो लें. सप्ताह में ३ दिन इसका इस्तेमाल करें.

दूसरा तरीका : एक आलू को मिक्सी में पीस लें और एक कटोरी में रखें. अब इसमें एक चम्मच दही मिला लें. अच्छी तरह मिल जाए तो आप इसे अपने साफ धुले चेहरे पर अच्छी तरह से अप्लाई करें. दही में मौजूद लैक्टिक एसिड दाग को हटाएगा और चेहरा क्लीन दिखेगा. इसे भी १० मिनट बाद धो लें.

तीसरा तरीका : आप एक आलू को आधा काट लें और उस पर हल्दी छिड़क लें. अब आप इसे अपने साफ चेहरे पर उस जगह रगड़ें जहां पर झाइयां हो गई हैं. हल्दी में कई ऐसे एंटीऑक्सीडेंट तत्व हैं जो दाग को हटाकर चेहरे पर निखार लाती हैं.

इस तरह आपके चेहरे से झाइयों के दाग तो जाएंगे ही, स्किन पर एक नेचुरल निखार भी आएगा. हालांकि जब भी इन फेस पैक का इस्तेमाल करें तो पहले स्किन पर पैच टेस्ट जरूर कर लें. अगर किसी तरह की परेशानी हो तो तुरंत इस्तेमाल बंद कर दें.

खाली पेट पिएं भिंडी का पानी

ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल लेवल से लेकर वजन घटाने में रामबाण

डायबिटीज में अमृत समान

सब्जियों में काफी लोग भिंडी का सेवन करना पसंद करते हैं. बच्चों को भी ये सब्जी खूब भाती है. भिंडी में कई पोषक तत्व होते हैं जो सेहत को कई तरह से लाभ पहुंचाते हैं. क्या आप जानते हैं कि भिंडी का पानी पीना भी काफी हेल्दी होता है. भिंडी वाला पानी आप आसानी से बना सकते हैं. भिंडी में एंटीऑक्सीडेंट्स, मैग्नीशियम, कैल्शियम, फोलेट, फाइबर, विटामिन सी, बी कॉम्प्लेक्स आदि से भरपूर होती है जो हार्ट हेल्थ सही रखती है. इम्यूनिटी बूस्ट करती है. डायबिटीज में ब्लड शुगर लेवल को कँट्रोल करती है. चलिए जान लेते हैं भिंडी का पानी पीने के क्या फायदे होते हैं.

सबसे पहले आप तीन-चार भिंडी को साफ कर लें. एक गिलास पानी में भिंडी को काटकर डाल दें. इसे रात भर पानी में छोड़ दें. सुबह आप पाएंगे कि पानी बिल्कुल चिपचिपा टेक्सचर में बदल चुका है. इस तरह से पानी में भिंडी में मौजूद सारे तत्व घुल जाते हैं जैसे डायटरी फाइबर, विटामिन सी, फोलेट आदि. अब आप इसे सुबह के समय खाली पेट पी सकते हैं. आप चाहें तो इसे दिन भर किसी भी समय पी सकते हैं. भिंडी को जब आप पानी में डुबाकर रखते हैं तो इसमें मौजूद स्टिकि पदार्थ पानी में घुल जाता है. यह डाइजेस्टिव हेल्थ और ब्लड शुगर लेवल को कँट्रोल करता है.

डायबिटीज पेशेंट के लिए रामबाण हैं ये ६ पॉईंट्स

१. एंटीऑक्सीडेंट्स से होता है भरपूर- हेल्थलाइन में छपी एक खबर के अनुसार, भिंडी में कई महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो भिंडी के पानी में भी पाया जा सकता है. ये तत्व इंफ्लेमेशन को कम कर सकते हैं और फी रैडिकल्स से होने वाले नुकसान को कम कर सकते हैं. एंटीऑक्सीडेंट्स कई तरह की क्रोनिक डिजीज जैसे कैंसर, हार्ट डिजीज, डायबिटीज से बचा सकता है.

२. वजन करे कम- भिंडी में मौजूद कई कम्पाउंड वजन कम करने में भी कारगर साबित हो सकते हैं. भिंडी के पानी में कैलोरी नहीं होती है. यदि आप कैलोरी कँट्रोल डाइट लेना चाहते हैं तो भिंडी का पानी ले सकते हैं. फाइबर पेट को देर तक भरे होने का अहसास कराता है, ऐसे में आप अधिक खाने से बचे रहते हैं. यह आपको हाइड्रेटेड रहने में मदद कर सकता है. अधिक पानी पीने से वजन कम हो सकता है. अस्थायी रूप से आपका चयापचय यानी मेटाबॉलिज्म बढ़ सकता है.

३. ब्लड शुगर लेवल करे कँट्रोल- भिंडी का पानी आप डायबिटीज होने पर पी सकते हैं. इससे शुगर लेवल को कँट्रोल करने में मदद मिल सकता है. प्रीडायबिटिक हैं तो भी आप ये पानी जरूर पिएं, इससे कोई नुकसान नहीं होगा. भिंडी में सॉल्युबल फाइबर होता है, इसलिए आपको ये लाभ पहुंचा सकता है.

४. कब्ज करे दूर- भिंडी के पानी में डायटरी फाइबर काफी होता है, जिसमें सॉल्युबल फाइबर अधिक होता है. यह पानी में घुल जाता है और डाइजेस्टिव सिस्टम में जेल की तरह पदार्थ बनाता है. फाइबर के कई लाभ होते हैं. यह बाउल मूवमेंट को रेगुलेट करे. कब्ज की समस्या करे दूर. गट को हेल्दी रखे.

५. पाचन तंत्र यदि दुरुस्त ना हो तो पूरी सेहत खराब बनी रहती है. भिंडी का पानी पीने से डाइजेस्टिव सिस्टम दुरुस्त रहता है. इसमें मौजूद सॉल्युबल फाइबर कँटेंट पाचन तंत्र को स्वस्थ और हेल्दी रखता है. **६.** भिंडी का पानी पीने से दिल की सेहत पर भी पॉजिटिव असर होता है. इसमें हाई सॉल्युबल फाइबर कँटेंट होता है, जो टोटल कोलेस्ट्रॉल और एलडीएल कोलेस्ट्रॉल लेवल को घटाता है. हार्ट डिजीज से बचने के लिए आप भिंडी का पानी पी सकते हैं.

पूजा के अलावा और भी काम का है कपूर

कपूर का प्रयोग ज्यादातर पूजा में किया जाता है। वास्तु और ज्योतिष में भी इसके महत्व और उपयोग के बारे में बहुत कुछ कहा गया है। लेकिन हम आपको बताते हैं कि कपूर का इस्तेमाल सिर्फ पूजा में ही नहीं बल्कि सेहत के लिए भी किया जाता है।

यदि आप घर में घुटन महसूस करते हैं, तो थोड़ा-सा कपूर ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाने के लिए इसे पूरे घर में प्रसारित करें।

अगर आपके बालों में डैंड्रफ की समस्या है तो कपूर को नारियल के तेल में मिलाकर जड़ों में हफ्ते में दो बार लगाएं, जल्द ही आपकी डैंड्रफ की समस्या दूर हो जाएगी।

सर्दी-खांसी के लक्षण होने पर कपूर के जलवाष्प का सेवन करने से आराम मिलता है।

घर में खुला कपूर उसकी सुगंध रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और घर का वातावरण भी शुद्ध होता है।

अगर आपके पैरों में लगातार सूजन या दर्द रहता है तो आप कपूर के इस्तेमाल से राहत पा सकते हैं। इसके लिए आपको कपूर और नमक के गर्म पानी से पैरों को सेंकना होगा।

बालों को बनाना है घुटनों तक लंबा?

वैसे तो रोजमेरी एक इटैलियन हर्ब है जिसका इस्तेमाल कुकिंग में किया जाता है. लेकिन इसमें कई ऐसी प्रॉपर्टीज हैं जिसकी वजह से इसका इस्तेमाल मेडिसिन के तौर पर भी किया जाता है. अगर आपके बाल इन दिनों काफी कमजोर और डैमेज हो गए हैं तो इन्हें हेल्दी करने के लिए भी रोजमेरी काफी उपयोगी मना जाता है. न्यूट्रिशनिस्ट रिदिमा बत्रा ने बताया कि रोज़मेरी के पानी को अगर आप सिर में लगाएं तो इससे मांसपेशियों को आराम मिलता है जिससे बालों के रोम में बेहतर रक्त प्रवाह होता है.

इस तरह बनाएं रोजमेरी वाटर हेयर स्प्रे

सबसे पहले आप बाजार या गार्डन से ताजा एक मुट्ठी रोजमेरी की पत्तियां तोड़ लें. अगर आपके पास पौधा नहीं है तो आप ड्राई लीफ भी आसानी से बाजार से खरीद सकते हैं.

इसमें कई एंटीऑक्सीडेंट गुण भी पाए जाते हैं जो बालों के विकास और मोटाई को बढ़ाने में मदद करता है. यही नहीं, यह सिर में एक्सेस ऑयल, सिर में खुजली की परेशानी को दूर कर बालों को रेशमी और चमकदार बनाने में भी मदद करता है. ऐसे में अगर आपके बाल झड़ रहे हैं या पतले हो गए है तो इसका इस्तेमाल हेयर केयर में करें. इसके अलावा, एंड्रोजेनिक एलोपेसिया यानी पैटर्न गंजापन की परेशानी में भी इसका इस्तेमाल फायदेमंद होता है. अगर आप अपने बालों को लंबा करना चाहते हैं तो रोजमेरी का वाटर घर पर बनाएं और बालों पर इस्तेमाल करें.

इस तरह करें अप्लाई

रोजमेरी वाटर को आप अच्छी तरह बालों के स्कैल्प पर लगाएं और १ से २ घंटे तक इसे बालों में रहने दें. इसके बाद आप शैंपू कर लें. आप इसे हेयर सीरम की तरह भी बालों पर अप्लाई कर सकते हैं. रेग्युलर इस्तेमाल से बालों की ग्रोथ बढ़ जाएगी. बाल शाइनी और मजबूत भी हो जाएंगे.

स्वस्थ रहने के लिए अपनाएं ये टिप्स

स्वस्थ रहना हमारे लिए बहुत जरूरी है। कहा जाता है कि स्वस्थ शरीर से सभी सुखों की सुगंध आती है। और स्वस्थ रहने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए, उचित आहार और स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए।

समय की कमी के कारण योग नहीं कर पाते व्यायाम नहीं कर पाते। अगर आप भी इतने ही व्यस्त हैं तो चिंता न करें। यहां कुछ टिप्स दिए जा रहे हैं जो आपको स्वस्थ रहने में मदद करेंगे।

- एक चम्मच शहद को पानी में मिलाकर दिन में दो बार पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है।
- एक गिलास पानी में एक नींबू निचोड़कर सुबह-सुबह पीने से आंखों की रोशनी बढ़ती है।
- धूप से झुलसी त्वचा में चमक लाने के लिए नहाने से पहले नारियल पानी, कच्चा दूध, खीरे और नींबू का रस और चंदन पाउडर मिलाकर शरीर पर लगाएं।
- अपने नाखूनों की रोजाना जैतून के तेल से मालिश करें। ऐसा करने से आपके हाथ साफ और खूबसूरत नजर आएंगे।
- एक पके हुए केले को मैश करके अपने चेहरे पर लगाएं और आधे घंटे बाद ठंडे पानी से धो लें।
- फोड़ों या फोड़ों को दूर करने के लिए २ बादाम पाउडर, २ चम्मच दूध और १ चम्मच संतरे के छिलके का पेस्ट मिलाकर लगाएं।
- होठों को गुलाबी रखने के लिए रोजाना होठों पर बीटा जूस लगाएं और आधे घंटे बाद ठंडे पानी से होठों को धो लें।
- रूखे बालों के लिए माइल्ड और एक्स्ट्रा प्रोटीन वाले शैंपू का इस्तेमाल करें.
- बालों का गिरना बंद करने और बालों को घना बनाने के लिए नीम के तेल का प्रयोग करें।
- अच्छे एंटीबैक्टीरियल साबुन का इस्तेमाल करें।
- गीले बालों में कभी कंघी न करें और बालों को सुलझाने के लिए चौड़े दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल करें।

विशेष नोट : **यहां दी गई जानकारी सामान्य जानकारी पर आधारित है। कृपया इसे लागू करने से पहले विशेषज्ञ से परामर्श लें।**

सुनील छेत्री का अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास

नई दिल्ली : भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने बताया कि वह अपना आखिरी मुकाबला छह जून को कुवैत के खिलाफ खेलेंगे। छेत्री ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो जारी कर दी।

छेत्री ने अपने शानदार करियर में छह बार एआईएफएफ प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीता। अंतरराष्ट्रीय मंच पर छेत्री २००८ में एएफसी चैलेंज कप, २०११ और २०१५ में एसएएफएफ चैंपियनशिप, २००७, २००९ और २०१२ में नेहरू कप के साथ-साथ २०१७ में इंटरकांटिनेंटल कप में खिताब जीतने वाली भारतीय टीमों का हिस्सा रहे हैं।

सुनील ने शौकिया तौर पर फुटबॉल खेलने की शुरुआत साल २००२ में की थी। १७ की उम्र में वह मोहन बागान क्लब से जुड़े। उन्होंने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल २० की उम्र में भेजा। एफसी चैलेंज कप फाइनल २००८ में ताजिकिस्तान के खिलाफ सुनील ने तीन गोल किए थे। उनके इन्हीं गोल के दम पर भारतीय टीम ने २७ सालों बाद एएफसी एशियन कप के लिए क्वालिफाई किया था। २०१०-११ में सुनील को कंसास सिटी विजार्ड फुटबॉल लीग ने अपनी टीम के लिए साइन किया था। भारत की आजादी के बाद विदेश में प्रोफेशनल लीग ज्वाइन करने वाले वह दूसरे खिलाड़ी बने।

सुनील छेत्री ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत साल २००५ में पाकिस्तान के खिलाफ की थी। वह सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल (९४) करने वाले चौथे खिलाड़ी है। वहीं, क्रिस्टियानो रोनाल्डो, अली डेई और लियोनेल मेस्सी के बाद सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। उन्हें साल २०११ में अर्जुन पुरुस्कार और २०१९ में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

२०१३ में पुर्तगाली क्लब से हटने के बाद छेत्री बेंगलुरु फुटबॉल क्लब से जुड़े। इस दौरान उन्होंने २३ मुकाबलों में १४ गोल और सात एसिस्ट किए। २०१५ में सुनील ने ५० अंतरराष्ट्रीय गोल पूरे किए थे। वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय फुटबॉलर बने थे।

२०१७ में किर्गिस्तान के खिलाफ सुनील ने ६९वें मिनट में गोल दागकर इतिहास रचा था। उनके इस गोल की बदौलत २०१९ एशिया कप के लिए भारत ने क्वालिफाई किया था। इस गोल के साथ वह फीफा की शीर्ष १०० रैंकिंग में शुमार हो गए थे।

साल २०१८ में इंटरकॉन्टिनेंटल कप के दौरान सुनील, डेविड विला के साथ दुनिया के तीसरे सबसे एक्टिव अंतरराष्ट्रीय गोल स्कोरर बने थे। हाल ही में चार जून को सुनील ने अपना १००वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। केनिया के खिलाफ इस मुकाबले में उन्होंने दो गोल दागे। वह १०० वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले दूसरे भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी हैं।

सात्विक-चिराग की जोड़ी को मिली जीत

बैंकॉक : सात्विकसाईराज-रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी ने थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए जीत दर्ज की, जबकि एच एस प्रणय पहले ही दौर में हारकर बाहर हो गए। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने मलेशिया के नूर मोहम्मद अजरिन अयूब अजरिन और तान वी कियोंग को हराकर पुरुष डबल्स के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

सात्विक-चिराग का सामना अब चीनी जोड़ी से होगा

शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने ३४ मिनट में २१-१३, २१-१३ से जीत दर्ज की। अब उनका सामना चीन के शि हाओ नान और जेंग वेइ हान से होगा। वहीं, पांचवीं वरीयता प्राप्त प्रणय को हमवतन मेराबा लुवांग मेसनाम ने २१-१९, २१-१८ से हराया। अब मेराबा का सामना डेनमार्क के मैड्स किस्टोफरसेन से होगा जिन्होंने भारत के किरण जॉर्ज को २१-१५, १३-२१, २१-१७ से मात दी।

अश्मिता दूसरे दौर में पहुंचीं

महिला सिंगल्स में अश्मिता चालिहा ने इंडोनेशिया की एस्टर नुरुमी त्रि वादीयो को १९-२१, २१-१५, २१-१४ से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की हान युइ से होगा। युइ ने भारत की मालविका बंसोड. को २१-११, २१-१० से हराया। उन्नति हुड्डा भी पहले दौर में बेल्जियम की लियाने तान से २१-१४, १४-२१, ९-२१ से हार गई।

एक बार फिर आमने-सामने होंगे आनंद-कार्लसन

नई दिल्ली : पांच बार के विश्व चैंपियन और शतरंज के महान खिलाड़ियों में शुमार भारत के विश्वनाथन आनंद और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन एक बार फिर आमने-सामने होंगे। दोनों दिग्गजों को मोरक्को के शहर कासाब्लांका में होने वाले चेस वैरिएंट टूर्नामेंट में खेलने के लिए आमंत्रित किया गया है। १८ और १९ मई को होने वाले इस टूर्नामेंट में अमेरिका के हिकारु नाकामुरा और मिस्र के बासेम अमीन भी खेलेंगे।

धुरंधरों की पुरानी पोजीशन को आगे बढाना होगा

भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रवीण थिप्से के मुताबिक यह टूर्नामेंट आम नहीं बल्कि अलग तरह का होगा। दोहरे राउंड रोबिन के आधार पर होने वाले टूर्नामेंट में प्रत्येक खिलाड़ी छह बाजियां खेलेगा। आयोजक मुकाबले के दौरान शतरंज के धुरंधरों के बीच हो चुकी बाजियों की पोजीशन खिलाड़ियों को देंगे। इन पोजीशन को खिलाड़ियों को आगे बढाना होगा। मुकाबले से पहले दो मिनट तक धुरंधरों की बाजियां देखने का मौका खिलाड़ियों को मिलेगा। उसके बाद उन्हें बाजी खेलने को मिलेगी। थिप्से बताते हैं कि यह आकर्षक प्रयोग है। शतरंज को लोकप्रिय करने के लिए यह कदम उठाया गया है।

१५ मिनट की होगी बाजी

थिप्से का मानना है कि आनंद और कार्लसन को दुनिया के सभी खिलाड़ियों की पोजीशन मालूम है। खिलाड़ी ड्रॉ के लिए भी सहमति नहीं जता पाएंगे। आनंद यहां तैयारी के साथ गए तो उन्हें फायदा मिलेगा। प्रत्येक बाजी १५ मिनट की खेली जाएगी।

अर्जुन एरिगेसी की शारजाह मास्टर्स में जीत से शुरुआत

सफरली को दी मात

शारजाह : भारतीय शतरंज खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी ने शारजाह मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की और पहले दौर में अजरबेजान के एल्ताज सफरली को हराया। दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी अर्जुन ने सफरली को हराकर टूर्नामेंट में जीत से शुरुआत की।

अन्य भारतीय खिलाड़ियों का भी बेहतर प्रदर्शन

अर्जुन के अलावा भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम और पी इनियान ने ५२,००० अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि के इस टूर्नामेंट में कमश: हमवतन भरत सुब्रमण्यम और ईरान के ईरानी पौया को हराकर जीत से शुरुआत की। भारतीय मूल के दो युवा खिलाड़ी संयुक्त राज्य अमेरिका के अभिमन्यु मिश्रा और इंग्लैंड के श्रेयस रॉयल ने भी जीत हासिल की। अभिमन्यु ने कजाखस्तान के राजा ऋत्विक और श्रेयस ने रिनात जुमाबायेव को मात दी। अन्य भारतीयों में एसएल नारायणन ने तुर्किये के सनल वहाप से अंक बांटे, जबकि युवा तुर्क यागिज कान एदीगमस ने निहाल सरीन से ड्रा खेला। टूर्नामेंट में एकमात्र भारतीय महिला जीएम डी हरिका ने अर्मेनिया की मैनुअल पेट्रोसियन से अंक बांटे।

पंजाब किंग्स ने राजस्थान को पांच विकेट से हराया

करन अर्धशतक लगाकर नाबाद लौटे

गुवाहाटी : प्लेऑफ में पहुंच चुकी राजस्थान रॉयल्स को नॉकआउट की दौड.से बाहर हो चुकी पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पडा। राजस्थान की टीम की यह लगातार चौथी हार है, लेकिन वह १६ अंकों के साथ चौथे स्थान पर बनी हुई है। दूसरी ओर, लगातार हार का सामना कर रही पंजाब को आखिरकार जीत मिली।

कप्तान सैम करन के ऑलराउंडर प्रदर्शन के दम पर पंजाब किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से हराकर जीत का स्वाद चखा। राजस्थान की यह लगातार चौथी हार है। हालांकि राजस्थान की टीम पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी है। पंजाब किंग्स ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर राजस्थान को नौ विकेट पर १४४ रन पर रोक दिया था। राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया, लेकिन उसकी बल्लेबाजी बेहद खराब रही। पंजाब ने शुरुआती झटकों के बाद करन के ४१ गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद ६३ रन के दम पर जीत दर्ज की। पंजाब के लिए आशुतोष शर्मा ११ गेंदों पर १७ रन बनाकर नाबाद रहे। राजस्थान की ओर से आवेश खान और युजवेंद्र चहल ने दो-दो विकेट लिए।

राजस्थान की टीम १३ मैचों के बाद आठ जीत और पांच हार के साथ १६ अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर मौजूद है, जबकि पंजाब की टीम १३ मैचों में पांच जीत और आठ हार के साथ १० अंक लेकर नौवें स्थान पर है। राजस्थान का आखिरी मैच तालिका में शीर्ष पर चल रही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से है, जबकि पंजाब को अब सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ना है।

पंजाब किंग्स ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर राजस्थान को नौ विकेट पर १४४ रन पर रोक दिया। राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया, लेकिन उसकी बल्लेबाजी बेहद खराब रही। राजस्थान के लिए रियान पराग ने ४८ रन बनाए जिसके दम पर टीम १४० रन का स्कोर पार करने में सफल रही। पंजाब की ओर से कप्तान सैम करन, हर्षल पटेल और राहुल चाहर ने दो-दो विकेट अपने नाम किए और राजस्थान को बडा स्कोर बनाने से रोका।

पहले ही क्वालीफाई कर चुकी राजस्थान की टीम की बल्लेबाजी लगातार दूसरे मैच में खराब रही। इससे पहले राजस्थान ने चेन्नई के खिलाफ पिछले मैच में भी टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया था, लेकिन टीम प्रभावशाली प्रदर्शन करने में विफल रही थी। इस मैच में भी राजस्थान के बल्लेबाज विफल रहे है और टीम शुरुआती झटकों के दबाव से अंत तक नहीं उबर सकी। पराग ने एक बार फिर जिम्मेदारी संभाली और रविचंद्र अश्विन के साथ चौथे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी की। यह राजस्थान के लिए इस मैच की सर्वोच्च साझेदारी रही। अश्विन के आउट होने के बाद राजस्थान का अन्य कोई बल्लेबाज पराग का साथ नहीं निभा सका। अंतिम ओवर में पराग भी अपना विकेट गंवा बैठे और अर्धशतक बनाने से चूक गए।

भारतीय मुक्केबाज अभिषेक एलोर्डा कप के सेमीफाइनल में

कजाखस्तान के राखत को हराया

अस्ताना : भारतीय मुक्केबाज अभिषेक यादव का एलोर्डा कप मुक्केबाजी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन जारी है। उन्होंने बुधवार को कजाखस्तान के राखत सेतझान को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ६७ किलोग्राम भारवर्ग में उन्होंने सेतझान को ५-० से हराया। वहीं पवन बर्तवाल (५४ किग्रा), कविंदर सिंह बिष्ट (५७ किग्रा) और दो अन्य भारतीय को क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पडा।

पवन कजाखस्तान के काबदेशोव तिमुर से ४-१ से हार गए, जबकि कविंदर उज्बेकिस्तान के मिराजबेक मिर्जाहालिलोव से नॉकआउट में हार गए। वरिंदर सिंह (६० किग्रा) को कजाखस्तान के तेमिरजानोव सेरिक ने और हितेश (७१ किग्राी) को असलानबेक शिमबर्गेनोव के खिलाफ ५-० से हार का सामना करना पडा।

मंगलवार देर रात मनीषा (६० किग्रा) और मोनिका (८१+ किग्रा) ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर भारत के लिए दो और पदक पक्के किए। मनीषा और मोनिका के साथ मीनाक्षी (४८ किग्रा), अनामिका (५० किग्रा), निकहत जरीन (५२ किग्रा), सोनू (६३ किग्रा), मंजू बंबोरिया (६६ किग्रा) और शलाखा सिंह सनसनवाल (७० किग्रा) गुरुवार को सेमीफाइनल खेलेंगी। फाइनल शनिवार को होगा।

अंजुम तीसरे ओलंपिक क्वालिफिकेशन ट्रायल में शीर्ष पर

पुरुषों में ऐश्वर्य की बाजी

नई दिल्ली : अंजुम मुद्गिल और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने ओलंपिक चयन ट्रायल टी-३ क्वालीफिकेशन दौर में महिलाओं और पुरुषों की ५० मीटर राइफल थ्री पोजिशंस क्वालीफिकेशन में पहला स्थान हासिल किया।

नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग पोजिशंस में २० शॉट के बाद अंजुम का स्कोर ६०० में से ५९२ था। वहीं ऐश्वर्य ने ५९० स्कोर किया। पांच निशानेबाजों का फाइनल बृहस्पतिवार को होगा। महिलाओं की थ्री पोजिशन में भारत की नंबर एक निशानेबाज और विश्व रिकॉर्डधारी सिफत कौर सामरा दूसरे स्थान पर रहीं। आशी चौकसी, निश्छल और श्रियांका साडंगी ५८५ स्कोर करके उनके बाद रहीं। पुरुषों के थ्री पोजिशंस में स्वप्निल कुसाले ५८७ का स्कोर करके दूसरे स्थान पर रहे। अखिल श्योराण तीसरे, चैन सिंह चौथे और नीरज कुमार पांचवें स्थान पर रहे।

नीरज ने ८२.२७ मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ जीता स्वर्ण

भुवनेश्वर : भुवनेश्वर में चल रहे फेडरेशन कप के भाला फेंक स्पर्धा के नतीजे आ चुके हैं। भारत के स्टार एथलीट और टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज चोपडा ने भी इसमें हिस्सा लिया और उन्होंने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नीरज के अलावा किशोर जेना और डीपी मनु ने भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। नीरज और जेना पहले ही पेरिस ओलंपिक २०२४ के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं और इसी वजह से सीधे फाइनल्स में उतरे थे। नीरज ने ८२.२७ मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं, डीपी मनु ८२.०६ मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहे। उत्तम पाटिल ने ७८.३९ मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

२६ साल के नीरज नहीं कर सके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

२६ साल के नीरज इस टूर्नामेंट दोहा डायमंड लीग खेलकर आ रहे हैं। दोहा डायमंड लीग में वह दूसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने वहां ८८.३६ मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया था। वह चेक गणराज्य के जाकुब वादलेच से दो सेंटीमीटर से पिछड.गए थे। जाकुब ने ८८.३८ मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया था। हालांकि, फेडरेशन कप में नीरज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके और ८२.२७ मीटर का ही आंकडा छुआ। उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन ८९.९४ मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। हालांकि, वह कई बार बयान दे चुके हैं कि उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना अभी बाकी है और आगामी फेडरेशन कप में नीरज ९० मीटर के आंकडे.को छूने की कोशिश करेंगे, लेकिन फेडरेशन कप में ऐसा नहीं हो सका।

फेडरेशन कप जेवलिन थ्रो के फाइनल में नीरज के अलावा किशोर जेना, डीपी मनु, रोहित कुमार, शिवपाल सिंह, प्रमोद, उत्तम बालासाहेब पाटिल, कुंवर अजयराज सिंह, मनजिंदर सिंह, बिबिन एंटोनी, विकास यादव और विवेक कुमार ने हिस्सा लिया। यह ओलंपिक क्वालिफिकेश का भी जरिया था। पेरिस ओलंपिक के भालाफेंक स्पर्धा में नीरज और जेना पहले ही क्वालिफाई कर चुके हैं। बाकी एथलीट्स को क्वालिफाई करने के लिए ८५.५० मीटर का दायरा पार करना था। हालांकि, कोई ऐसा नहीं कर पाया।

ओलंपिक से पहले खुद पर ज्यादा दबाव देते नहीं दिखे नीरज

यह साफ दिखा कि नीरज चोपडा ने खुद पर बहुत अधिक दबाव नहीं दिया, क्योंकि वह चोट से लगातार जूझते रहे हैं और ओलंपिक से पहले खुद को फिट रखना चाहते हैं। उन्होंने केवल पांच दिन पहले डायमंड लीग कार्यक्रम में भाग लिया था। मनु ने कुछ बार ८० मीटर को पार किया, लेकिन जेना का इस साल भयानक प्रदर्शन जारी है। वह फेडरेशन कप में भी ७६ मीटर का आंकडा नहीं पार कर पाए। ओलंपिक से पहले उन्हें काफी मेहनत करने की जरूरत है।

नीरज को देखने के लिए स्टेडियम में उमडी भीड.

नीरज को खेलता देखने के लिए स्टेडियम में काफी भीड.उमडी थी। नीरज का चार थ्रो ही करना उनके लिए यादगार साबित हुआ। नीरज ने डीपी मनु पर २१ सेंटीमीटर की बढत के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वह चौथे प्रयास के बाद ही अपना सामान पैक करते दिखे थे। अब नीरज २८ मई को वापस से प्रतिस्पर्धा करते दिखेंगे। वह ओस्ट्रावा, चेकिया में टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। यह एक विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड लेवल इवेंट है।

स्वत्वाधिकार लोकमिरर पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड हेतु, **प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक : स्वप्नील शंभरकर** द्वारा अरुणोदय प्रेस, कॉटन मार्केट, नागपूर - 440018 से मुद्रित कर, लोकमिरर पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड C/o कौशल्याबाई वानखेडे, प्लॉट नं. 177, A/G योगी अरविन्द नगर, कामठी रोड, नागपूर - ४४००२६ से प्रकाशित। **संपादक : स्वप्नील शंभरकर,** संपर्क - 09545924968, *पी आर बी कानून के तहत सम्पूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार। RNI Reg. No.-MHHIN/2017/74134